PRGI : APHIN/26/A3657

पेन पॉवर

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 1 अंक - 44 बुदवार, अगस्त 26, 2026 विशाखापट्टनम संपादकः गंट्यादा अप्पाराव पृष्ठों. 4 मूल्य. 1रु

युपीआई के 10 साल: पीएम मोदी ने डिजिटल भुगतान को बताया गर्व की बात

नयी दिल्ली (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस को भारत की डिजिटल भुगतान यात्रा में एक "बड़ा बदलाव लाने वाला कदम" बताते हुए इसकी सराहना की। देश की प्रमुख रियल–टाइम भुगतान प्रणाली युपीआई ने एक दशक पूरा कर लिया है। प्रधानमंत्री ने इसकी अभूतपूर्व पहुंच, बड़े पैमाने पर उपयोग और बढ़ते वैश्विक विस्तार को रेखांकित किया।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि एक दशक पहले युपीआई की शुरुआत ने भारतीयों के भुगतान करने के तरीके को बदल दिया। उन्होंने नागरिकों से यह साझा करने का भी आग्रह किया कि युपीआई ने उनके जीवन को किस तरह प्रभावित किया है।

प्रधानमंत्री ने कहा, "एक दशक पहले युपीआई की शुरुआत हुई थी, जिसने भारत की डिजिटल भुगतान यात्रा में एक बड़ा बदलाव किया। युपीआई का व्यापक स्तर और पहुंच ऐसी उपलब्धि है, जिस पर हर भारतीय को गर्व होना चाहिए। अपने युपीआई अनुभव और इसने आपके जीवन को किस तरह प्रभावित किया, इसके बारे में मुझे बताएं।"

नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया द्वारा अप्रैल 2016 में 21 सदस्य बैंकों के साथ युपीआई की शुरुआत की गई थी और 25 अगस्त 2016 को इसे आम जनता के लिए उपलब्ध कराया गया। इसके बाद युपीआई भारत के डिजिटल भुगतान तंत्र की रीढ़ बन गया। यह मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से बैंक–टू–बैंक और व्यापारी भुगतान की सुविधा देता है तथा चौबीसों घंटे तत्काल और इंटरऑपरेबल लेनदेन संभव बनाता है।

पिछले एक दशक में युपीआई के लेनदेन की मात्रा में जबरदस्त वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2016–17 में जहां 1.78 करोड़ लेनदेन हुए थे, वहीं वित्त वर्ष 2025–26 में यह संख्या बढ़कर 24,162 करोड़ हो गई। यानी इसमें करीब 13,000 गुना वृद्धि हुई। इसी अवधि में लेनदेन का मूल्य 0.07 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर लगभग 314 लाख करोड़ रुपये हो गया। जुलाई 2026 में युपीआई के जरिए 2,365.8 करोड़ लेनदेन हुए, जिनका कुल मूल्य करीब 29.87 लाख करोड़ रुपये रहा। यह अब तक का सबसे अधिक मासिक लेनदेन स्तर है। वर्ष 2026 में प्रतिदिन औसतन करीब 66 करोड़ लेनदेन हुए हैं, जबकि जुलाई तक युपीआई से जुड़े बैंकों की संख्या बढ़कर 741 हो गई है।

वित्त वर्ष 2025–26 में भारत के डिजिटल भुगतान लेनदेन में युपीआई की हिस्सेदारी करीब 84 प्रतिशत रही। इसके बढ़ते इस्तेमाल ने वित्तीय समावेशन को भी मजबूत किया है। इससे आम लोगों, छोटे कारोबारियों और व्यापारियों को पारंपरिक भुगतान ढांचे पर निर्भर हुए बिना डिजिटल भुगतान करने और प्राप्त करने की सुविधा मिली है।

युपीआई का इस्तेमाल विशेष रूप से कम मूल्य वाले खुदरा लेनदेन में अधिक हो रहा है। व्यक्ति से व्यापारी भुगतान कुल लेनदेन मात्रा का करीब 63 प्रतिशत है। वित्त वर्ष 2025–26 में P2M लेनदेन में से 86 प्रतिशत लेनदेन 500 रुपये से कम राशि के थे। वहीं, व्यक्ति से व्यक्ति लेनदेन कुल लेनदेन मूल्य का करीब 71 प्रतिशत रहा।

लॉन्च के बाद से युपीआई में लगातार महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। दिसंबर 2016 में BHIM ऐप पेश किया गया। इसके बाद 2017 में डायनेमिक QR भुगतान और 2018 में युपीआई 2.0 की शुरुआत हुई। बाद में UPI AutoPay, UPI स्पजम, फीचर फोन उपयोगकर्ताओं के लिए UPI 123PAY, क्रेडिट लाइन इंटीग्रेशन, UPI ब्पतबसम और ऑन–डिवाइस ऑथेंटिकेशन जैसी सुविधाएं जोड़ी गईं।

युपीआई का इस्तेमाल अब केवल सामान्य भुगतान तक सीमित नहीं है। इसका उपयोग IPO आवेदन, आवर्ती भुगतान, कर भुगतान और अन्य वित्तीय सेवाओं के लिए भी किया जा रहा है। कुछ विशेष श्रेणियों के लिए लेनदेन की अधिकतम सीमा भी बढ़ाई गई है।

यह भुगतान प्रणाली भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है और इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान मिली है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, 2025 में वैश्विक रियल–टाइम भुगतान लेनदेन की मात्रा में युपीआई की हिस्सेदारी करीब 49 प्रतिशत रही। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भी इसके बड़े पैमाने और इंटरऑपरेबिलिटी को मान्यता दी है।

युपीआई का अंतरराष्ट्रीय विस्तार भी तेजी से हुआ है। यह अब भूटान, नेपाल, सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात, फ्रांस, श्रीलंका, मॉरीशस, कतर, कंबोडिया, ग्रीस और मालदीव सहित 11 देशों तक पहुंच चुका है। हाल की पहलों के जरिए इनमें से कई देशों में युपीआई भुगतान स्वीकार करने और सीमा–पार धन प्रेषण की सुविधा भी शुरू की गई है।

सरकार के अनुसार, युपीआई के अगले दशक का फोकस अधिक से अधिक उपयोगकर्ताओं और व्यापारियों को डिजिटल भुगतान व्यवस्था से जोड़ने, नवाचार को बढ़ावा देने और भारत के डिजिटल भुगतान बुनियादी ढांचे को और मजबूत करने पर रहेगा।

30 साल पुराना संकल्प पूरा हुआ: मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू

(पेन पॉवर न्यूज): अमरावती: आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने वेलिगोंडा परियोजना को लेकर महत्वपूर्ण घोषणा की है। उन्होंने बताया कि वेलिगोंडा परियोजना का उद्घाटन 31 अगस्त को किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 30 साल पहले उन्होंने जो संकल्प लिया था, वह अब पूरा हो रहा है। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को 'एक्स' के माध्यम से अपने विचार साझा करते हुए "वेलिगोंडा की जल संपदाकृविकास को पंख" शीर्षक से पोस्ट किया। इस अवसर पर उन्होंने 30 साल पहले वेलिगोंडा परियोजना की आधारशिला रखते समय की अपनी तस्वीर भी साझा की। चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि उनका संकल्प हर किसान के खेत तक पानी पहुंचाना, हर युवा को रोजगार उपलब्ध कराना और हर परिवार को सुरक्षा एवं भरोसा देना है। उन्होंने विश्वास जताया कि वेलिगोंडा परियोजना के माध्यम से पश्चिमी प्रकाशम क्षेत्र में सिंचाई और पेयजल की समस्याओं का समाधान होगा। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि पश्चिमी प्रकाशम जिले में हर घर तक नल के माध्यम से पेयजल पहुंचाया जाएगा और फ्लोराइड की समस्या का स्थायी समाधान किया जाएगा। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि वेलिगोंडा परियोजना के उद्घाटन से इस क्षेत्र के विकास को और गति मिलेगी।

एपी के सभी क्षेत्रों में सौर ऊर्जा को बढ़ावा दे रहे हैं: मंत्री लोकेश

(पेन पॉवर न्यूज): अनंतपुर, 25 अगस्त: आंध्र प्रदेश में सभी क्षेत्रों में सौर ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना को प्रोत्साहित किया जा रहा है, शिक्षा एवं आईटी मंत्री नारा लोकेश ने बताया। उन्होंने यह भी घोषणा की कि तिरुपति में एक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किया जाएगा। मंगलवार को मंत्री लोकेश ने अनंतपुर जिले के रायदुर्ग विधानसभा क्षेत्र के कणेकल मंडल स्थित हुलिकेरु में सुजलॉन विंड पावर प्रोजेक्ट की आधारशिला रखी। उन्होंने सुजलॉन की "144 न्यू ब्लेड प्रोडक्शन लाइन्स का भी उद्घाटन किया। सुजलॉन कंपनी अनंतपुर जिले में ₹10,000 करोड़ के निवेश से कुल 1,325 मेगावाट क्षमता वाली पवन ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित करेगी। कंपनी ने बताया कि इन पवन ऊर्जा परियोजनाओं के माध्यम से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से करीब 4,000 लोगों को रोजगार एवं आजीविका के अवसर मिलेंगे।

सुजलॉन पहले ही आंध्र प्रदेश में एक प्रमुख पवन ऊर्जा कंपनी के रूप में उभर चुकी है। राज्य में कंपनी की 1,700 मेगावाट से अधिक स्थापित क्षमता है। कंपनी ने 2030 तक अतिरिक्त 5,000 मेगावाट की नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित करने की योजना बनाई है और निर्धारित लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

tfu;j M,DVjk d LVkbiM c<ku ij fo'k"k lfefr xfBr% e=h lR; dekj

अमरावती, 25 अगस्त: स्वास्थ्य मंत्री सत्य कुमार ने स्पष्ट किया कि सरकार जूनियर डॉक्टरों (जूडाओं) की मांगों के प्रति सकारात्मक है। मंगलवार को अमरावती में उन्होंने कहा कि जूनियर डॉक्टरों की समस्याओं को मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के संज्ञान में लाया गया है। उन्होंने विश्वास जताया कि बातचीत के जरिए सभी के लिए स्वीकार्य समाधान निकाला जाएगा। उन्होंने जूनियर डॉक्टरों के स्टाइपेंड में वृद्धि की मांग पर एक विशेष समिति गठित किए जाने की घोषणा की।

उन्होंने बताया कि हाईकोर्ट के निर्देशों के अनुसार यह समिति स्वास्थ्य विभाग के सचिव वीरा पांड्यन के नेतृत्व में काम करेगी। उन्होंने कहा कि समिति एक–दो दिनों में जूनियर डॉक्टरों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करेगी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में स्टाइपेंड अपेक्षाकृत अधिक है और अन्य दक्षिण भारतीय राज्यों में दिए जा रहे स्टाइपेंड की भी तुलना करने के बाद निर्णय लिया जाएगा। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाने पर अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

जूनियर डॉक्टरों की आपत्तियों को देखते हुए सेवानिवृत्ति की आयु के मुद्दे पर पुनर्विचार किया जाएगा। उन्होंने गैर–नैदानिक (नॉन–क्लिनिकल) पदों पर एमएससी और पीएचडी धारकों की नियुक्तियों की भी समीक्षा करने की घोषणा की। मंत्री सत्य कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (छडब) के दिशानिर्देशों के अनुसार ही अधिसूचनाएं जारी की गई हैं। उन्होंने याद दिलाया कि राज्य में करीब 9,500 जूनियर डॉक्टर महत्वपूर्ण चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। मंत्री सत्य कुमार ने हड़ताल समाप्त करने वाले जूनियर डॉक्टरों का आभार व्यक्त किया।

आंध्र प्रदेश में जूनियर डॉक्टरों ने हड़ताल वापस ली

(पेन पॉवर न्यूज): अमरावती, 25 अगस्त: आंध्र प्रदेश में जूनियर डॉक्टरों ने अपनी हड़ताल वापस ले ली है। जूनियर डॉक्टरों ने इस संबंध में हाईकोर्ट को जानकारी दी और अपनी मांगों का समाधान करने के लिए राज्य सरकार को निर्देश देने का अनुरोध किया।

जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल को लेकर दायर जनहित याचिका पर हाईकोर्ट ने मंगलवार को सुनवाई की। सुनवाई के दौरान जूनियर डॉक्टरों ने अदालत को बताया कि वे अपनी हड़ताल वापस ले रहे हैं। साथ ही, उन्होंने अपनी मांगों के समाधान के लिए सरकार को उचित कदम उठाने का निर्देश देने का अनुरोध किया। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को जूनियर डॉक्टरों की मांगों के समाधान के संबंध में दो सप्ताह के भीतर निर्णय लेने का निर्देश दिया। इसके साथ ही आंध्र प्रदेश में जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल फिलहाल समाप्त हो गई है।

दिसंबर के अंत तक क्वांटम वैली भवन पूरा करने का लक्ष्य: मंत्री नारायण

अमरावती, 25 अगस्त: आंध्र प्रदेश के मंत्री पोंगुरु नारायण ने राज्य की राजधानी अमरावती का दौरा कर क्वांटम वैली के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया और परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। इसके बाद उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश को क्वांटम तकनीक के लिए नॉलेज हब के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से 'क्वांटम वैली' की स्थापना की जा रही है।

उन्होंने कहा कि जिस तरह हैदराबाद को आईटी और आईटीईएस क्षेत्रों में विकसित किया गया, उसी तरह क्वांटम कंप्यूटिंग क्षेत्र को बढ़ावा देना सरकार का उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि प्ठड, ज्ब्ै सहित विभिन्न कंपनियों की भागीदारी से क्वांटम लैब का निर्माण किया जा रहा है। 45,216 वर्ग फुट क्षेत्र में क्वांटम वैली भवन का निर्माण किया जा रहा है और भवन के अधिकांश प्रमुख संरचनात्मक कार्य पूरे हो चुके हैं। क्वांटम लैब में विशेष 'रूम विदिन रूम' डिजाइन का इस्तेमाल किया जा रहा है।

मंत्री ने बताया कि बाहरी और ट्रैफिक के शोर का लैब पर असर न पड़े, इसके लिए विशेष ध्वनि नियंत्रण तकनीक स्थापित की जा रही है। क्वांटम चिप्स को लगभग माइनस 273 डिग्री सेल्सियस तक ठंडा करने के लिए हीलियम कंप्रेसर और क्रायोजेनिक डायल्यूशन रेफ्रिजरेटर का उपयोग किया जाएगा। निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए डुअल एक्टिव फीडर सिस्टम स्थापित किया जा रहा है। बिजली ग्रिड से आने वाले हार्मोनिक्स और विद्युत शोर को फिल्टर करने के लिए झ13 रेटेड आइसोलेशन ट्रांसफॉर्मर लगाए जा रहे हैं। कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए ग्रीन बिल्डिंग अवधारणा को भी लागू किया जा रहा है।

नारायण ने बताया कि क्वांटम वैली भवन को दिसंबर के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और प्लंबिंग (डम्च) कार्य अगले एक से दो महीनों में पूरे करने की योजना है। उन्होंने बताया कि डम्च कार्यों के लिए भवन को 15 सितंबर को प्ठड को सौंपा जाएगा।

उन्होंने कहा कि क्वांटम लैब के पास कुल 50 एकड़ क्षेत्र में दो विशाल टावर बनाए जाएंगे। प्रत्येक टावर 48 मंजिला होगा और इसकी ऊंचाई लगभग 202 मीटर होगी। दोनों टावरों का कुल निर्मित क्षेत्र लगभग 37 लाख वर्ग फुट होगा। इन टावरों में स्टार्टअप्स, डेवलपमेंट कंपनियों और विभिन्न तकनीकी कंपनियों के लिए स्थान आवंटित किया जाएगा।

मंत्री ने कहा कि हैदराबाद के साइबर टावर्स की तर्ज पर उससे भी बेहतर क्वांटम तकनीक इकोसिस्टम विकसित करना लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने स्वयं टावरों के डिजाइन की समीक्षा कर उन्हें अंतिम रूप दिया है। मुख्यमंत्री और मंत्री नारा लोकेश व्यक्तिगत रूप से भी क्वांटम वैली परियोजना की निगरानी कर रहे हैं।

नारायण ने कहा कि क्वांटम कंप्यूटिंग के माध्यम से युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने के साथ–साथ उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार किया जाएगा। स्टार्टअप्स और उद्योगों को आकर्षित करना मुख्य लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश को विश्वस्तरीय क्वांटम तकनीक केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

संपादकीय

सिद्धांत सरकार, संगठन में चलता है

नितिन नबीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद संभालने के बाद 209 दिन तक चले मंथन से भाजपा का संगठन चलाने के लिए जो 'रत्न' चुने गए हैं उनको देख कर कतई हैरानी नहीं हुई। अगर भाजपा संगठन में ऐसे पदाधिकारी नहीं चुने जाते या टीम ऐसी ही नहीं बनती तो हैरानी होती। ध्यान रहे जब कोई पार्टी सरकार में होती है तो उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष या संगठन का कोई खास महत्व नहीं रह जाता है। फिर भी भाजपा चूंकि संगठन वाली पार्टी मानी जाती है इसलिए एक कवायद दिखाई जाती है। उस कवायद से जो टीम बनी है वह बिल्कुल वैसी ही है, जैसी टीम पिछले एक दशक से सरकार और संगठन में बनाई जा रही है। दोनों जगह किसी अन्य चेहरे की जरुरत नहीं है। सरकार में नरेंद्र मोदी और संगठन में अमित शाह का ही मतलब है। बाकी सबको दिए गए निर्देशों का पालन करना होता है। यह नई टीम भी इसी सिद्धांत को व्यवहार रूप में प्रतीकित कर रही है। ध्यान रहे पिछले एक दशक से ज्यादा समय से भाजपा में यह सिद्धांत अपना लिया गया है कि अगर कोई नेता अपने दम पर या अपनी काबिलियत के दम पर बड़ा बना है, अपना नाम बनाया है, राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है, राष्ट्रीय दृष्टि रखता है तो उसको हाशिए में डालना है। इसके एकाध अपवाद हो सकते हैं। लेकिन यही सिद्धांत सरकार में चलता है, संगठन में चलता है और यहां तक कि चुनाव लड़ने में भी इसे ही लागू किया जाता है। बिल्कुल अनजान चेहरों को चुन कर आगे किया जाता है। लोकसभा और विधानसभा का चुनाव लड़ाया जाता है या राज्यसभा और विधान परिषद में भेजा जाता है। इनमें से ज्यादातर लोग विधायी कामकाज में क्या योगदान करते हैं यह बता पाना उनके खुद के लिए भी मुश्किल ही होगा। राजनीति के रंगमंच पर अपनी संक्षिप्त भूमिका निभा कर थोड़े समय के बाद ये चेहरे नेपथ्य में चले जाते हैं। फिर उनके बारे में किसी को पता नहीं चलता। लेकिन शुरुआत में जब इन्हें लाया जाता है तो प्रचार यह होता है कि बिल्कुल जमीनी स्तर से नेता खोजा गया है। असल में ऐसे नेताओं की कोई जमीन नहीं होती है। इसलिए वे बाद में जमीन पर दिखाई नहीं देते हैं। इस बार भी ऐसे दर्जनों 'जमीनी नेता' पार्टी के पदाधिकारी बनाए गए हैं। हालांकि इनमें से ज्यादातर की कोई खास भूमिका नहीं रहेगी और थोड़े समय के बाद ये लोग कहां चले जाएंगे, वह किसी को पता नहीं चलेगा। कुछ चुनिंदा लोग, जो पहले से संगठन का काम कर रहे हैं या कुछ ऐसे लोग, जिनको वापस संगठन में लाया गया है, वे ही काम करेंगे और जब चुनाव आएंगे तो संगठन के पदाधिकारियों से अलग के कुछ अन्य लोग चुनावी कामकाज में लगाए जाएंगे। वो चेहरे अलग होते हैं। सो, 'जमीनी नेता' के नाम पर जो लोग संगठन में लाए गए हैं उनकी बात छोड़ दें तो कह सकते हैं कि यह एक कंजरवेटिव बदलाव है। कोई बड़ा प्रयोग करने से बचा गया है। महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने या 'जेन जी' को महत्व देने के दबाव को दरकिनार किया गया है। भरोसे के कुछ चेहरों को महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त किया गया है, जहां से वे शीर्ष नेताओं के साथ मिल कर संगठन के लिए काम करेंगे। वर्षों तक संगठन में काम कर चुके राम माधव को वापस लाया गया है। ऐसे ही स्मृति ईरानी की वापसी हुई है। उपाध्यक्ष बना कर किनारे किए गए सौदान सिंह फिर से संयुक्त संगठन महामंत्री के तौर पर लाए गए हैं। बीएल संतोष और शिव प्रकाश की संगठन की जिम्मेदारी पहले जैसी ही रखी गई है। पिछले कई वर्षों से संगठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे विनोद तावड़े और सुनील बंसल को महामंत्री बनाए रखा गया है। तरुण चुघ महामंत्री पद से हटा दिए गए हैं लेकिन उनको पार्टी मुख्यालय का प्रभारी बना कर मुख्यधारा में रखा गया है। भाजपा ने नई टीम में क्षेत्रीय संतुलन बनाने का प्रयास किया है लेकिन स्पष्ट रूप से पलड़ा चुनावी राज्यों के पक्ष में झुका हुआ दिखाई दे रहा है। चार चुनावी राज्यों से 18 पदाधिकारी बनाए गए हैं। कुल 65 पदाधिकारियों में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और गुजरात से 18 पदाधिकारी हैं। महिलाओं को प्रतिनिधित्व देने का दिखावा किया गया है फिर भी उनकी हिस्सेदारी 18 फीसदी तक ही पहुंच सकी है। कुल 12 महिलाओं को टीम में रखा गया है, जिनमें से छह उपाध्यक्ष हैं। आमतौर पर उपाध्यक्षों के पास कोई काम नहीं होता है। संगठन महामंत्री, संयुक्त संगठन महामंत्री और महामंत्रियों के 11 पदों में से सिर्फ एक पद महिला को मिला है। स्मृति ईरानी महामंत्री बनाई गई हैं। सोचें, 11 में एक यानी आधी आबादी को नौ फीसदी प्रतिनिधित्व! संगठन में सबसे युवा चेहरा हेमांग जोशी का है, जो 35 साल के हैं। नितिन नबीन की नई टीम बनने के बाद जितनी चर्चा इसमें शामिल किए गए चेहरों की है उससे ज्यादा चर्चा हटा दिए गए पदाधिकारियों की है। दीपक म्हस्के कैसे सोशल मीडिया के प्रभारी बने या कैसा काम करेंगे इस सवाल से ज्यादा चर्चा इसकी है कि अमित मालवीय क्यों हटा दिए गए? हेमांग जोशी भारतीय जनता युवा मोर्चा में कैसा काम करेंगे से ज्यादा चर्चा इस बात की है तेजस्वी सूर्या को क्यों हटाया गया है और आगे उनका क्या होगा? अनिल बलूनी के साथ मीडिया टीम में आशीष उषा अग्रवाल, प्रदीप भंडारी और सिद्धार्थ यादव को लगाया गया है ये तीनों कैसा काम करेंगे इससे ज्यादा चर्चा में यह सवाल है कि संजय मयूख क्यों मीडिया टीम से हटाए गए? इन सब सवालों का जवाब आने वाले दिनों में मिलेगा। उधर भाजपा के कई बड़े, पुराने और चर्चित नेता पुनर्वास की उम्मीद में बैठे हैं। संगठन में शामिल नहीं किए जाने से उनको निराशा हुई होगी लेकिन उनमें से बहुत से लोग अब भी उम्मीद में होंगे कि क्या पता सरकार में जगह मिल जाए। अगले कुछ दिन में मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चा है। अभी प्रवक्ताओं की सूची आनी है, राष्ट्रीय कार्यकारिणी की भी घोषणा होनी है और भाजपा की सबसे बड़ी ईकाई संसदीय बोर्ड का भी पुनर्गठन होना है। कहा जा रहा है कि मार्गदर्शक मंडल का भी विस्तार हो सकता है।

स्कूलों को कर दीजिए बरबाद फिर सारी समस्या समाप्त

जंतर मंतर पर 'जेन जी' का आंदोलन हुआ और सरकार बैकफुट पर आई तो उसके बाद आरएसएस में भी इसकी चर्चा शुरू हुई कि आखिर ऐसा क्या हुआ है कि नौजवान इतने नाराज हैं। तब संघ के एक पदाधिकारी ने एक ऐसे बौद्धिक से बात की, जो राइटविंग के हैं लेकिन तार्किक विचार रखते हैं और वास्तविक अर्थों में बौद्धिक हैं। उनसे पूछा गया कि आखिर ऐसा क्या हुआ है कि नई पीढ़ी के युवा इतने नाराज हैं और सार्वजनिक रूप से ऐसी ऐसी बातें कह रहे हैं, जिनके बारे में कभी कल्पना नहीं की गई थी। उनका जवाब था, 'आपने कॉलेज बरबाद कर दिए, यूनिवर्सिटीज बरबाद कर दी, तकनीकी संस्थान बरबाद कर दिए, लेकिन स्कूल अभी तक बरबाद नहीं कर पाए हैं। स्कूलों को बरबाद कर दीजिए फिर सारी समस्या समाप्त हो जाएगी'। यह बात उन्होंने तंज के अंदाज में कही। उनका कहना था कि स्कूली शिक्षा का निजीकरण बहुत पहले हो चुका है और अब भी काफी स्कूल हैं, जो बहुत अच्छे हैं। वहां से पढ़ाई करके जो छात्र निकल रहे हैं और कॉलेज पहुंच रहे हैं उनके सामने अचानक शून्य आ जा रहा है। न फैकल्टी अच्छी है, न वाइस चांसलर अच्छे हैं, न रिसर्च की सुविधा अच्छी है, न लाइब्रेरी अच्छी है और किसी तरह से वहां एडजस्ट करें तो परीक्षा की पूरी व्यवस्था प्रदूषित हो गई है। वहां उनके अंदर फ्रस्ट्रेशन बढ़ना शुरू होता है। इसी का प्रकटीकरण जंतर मंतर पर हुआ या सोशल मीडिया में भी 'जेन जी' की नाराजगी के रूप में हो रहा है। इसका उपाय यही है कि स्कूली शिक्षा के स्तर पर ही उनकी पढ़ाई लिखाई खराब कर दी जाए तो वे आगे भी शिकायत नहीं करेंगे। सो प्रधानमंत्री, संघ प्रमुख और केंद्र सरकार के मंत्रियों और राज्यों के नेताओं को पहले तो यह समझना होगा कि छात्र और युवा किस बात से नाराज हैं? वे इस बात से नहीं नाराज हैं कि उनको ठीक तरीके से समझा नहीं जा रहा है। वह समस्या हर पीढ़ी के साथ होती है। वे नाराज इसलिए हैं क्योंकि शिक्षा और परीक्षा दोनों का भट्ठा बैठ गया है।

लोकहित के नाम पर संसद में हंगामा

संसद के मानसून सत्र के दौरान विपक्ष ने सरकार पर नीट पेपर परीक्षा, राम मंदिर चंदा चोरी जैसे मामलों में गृहमंत्री अमित शाह के बयान को लेकर कई दिनों तक हंगामा किया। जिससे संसद की कार्रवाई बाधित होती रही। संसद में विधायी कामकाज नहीं हो सको। संसद की कार्रवाई कई बार अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। जिस देश में करोड़ों लोगों को साफ पीने का पानी, पर्याप्त बिजली, राशन, स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, सड़क जैसी बुनियादी सुविधाएं मयस्सर नहीं हैं, वहां सिर्फ आम लोगों की भलाई के नाम पर संसद में हंगामा करके अरबों रूपए स्वाह कर दिए जाते हैं। संसद में अब तक मानसून सत्र के दौरान हंगामे और व्यवधान के कारण लोकसभा में 7,023 मिनट का समय बर्बाद हो। अर्थात प्रति मिनट करीब ?2.5 लाख खर्च का अनुमान हुआ। यह आंकड़ा करीब ?175 करोड़ बैठता है। देश के लोकतंत्र का मंदिर है संसद, जहां पर जनता की, उनके अधिकारों, मुद्दों की आवाज़ गूंजनी चाहिए। लेकिन वहां अभी तक के मानसून सत्र में सिर्फ शोर सुनाई दिया। विपक्ष का हंगामा कान के पर्दों को फाड़ रहा है। सवाल ये है कि इस शोर का बिल कौन भर रहा है? तो जवाब है–देश की जनता। क्योंकि संसद में हर मिनट हंगामा होता है तो सिर्फ बहस नहीं रुकती, बल्कि करीब ढाई लाख रुपये भी पानी की तरह बहते रहते हैं। संसद के मानसून सत्र के दौरान विपक्ष ने सरकार पर नीट पेपर परीक्षा, राम मंदिर चंदा चोरी जैसे मामलों में गृहमंत्री अमित शाह के बयान को लेकर कई दिनों तक हंगामा किया। जिससे संसद की कार्रवाई बाधित होती रही। संसद में विधायी कामकाज नहीं हो सको। संसद की कार्रवाई कई बार अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। सबसे अहम बात ये कि सदन स्थगित होने पर भी ये खर्च रुकता नहीं है। संसद की सुरक्षा, वहां के कर्मचारी, तकनीकी व्यवस्था और पूरा संसदीय तंत्र उसी तरह चलता रहता है। इसलिए जब कार्यवाही बार-बार बाधित होती है, तब करोड़ों रुपये का बोझ सीधे जनता की जेब पर पड़ता है। संसद की कार्यवाही एक दिन के लिए अगर स्थगित होती है तो इसके पीछे 9 करोड़ रुपये का घाटा होता है। इस रकम को प्रति घंटे और प्रति मिनट के आधार पर यह प्रति घंटे एक करोड़ पचास लाख यानी डेढ़ करोड़ होती है। यह आंकड़ा इस साल के बजट सत्र के दौरान लोकसभा में पीठासीन स्पीकर जगदंबिका पाल ने दिया था। साल 2014 से लेकर 2024 के आंकड़ों पर गौर करें तो बार-बार सदन के स्थगित होने की वजह से सरकारी तिजोरी का करीब 3300 करोड़ रुपया पूरी तरह बर्बाद हो चुका है। संसद के इस तरह से बार-बार ठप होने पर ना सिर्फ जरूरी काम रुकते हैं, बल्कि लोगों के पैसे पर भी असर पड़ता है। इसी तरह संसद के साल 2025 के मॉनसून सत्र दौरान सांसदों ने देशहित की बजाय अपनी राजनीति में अधिक समय गंवा दिया। लोकसभा में सांसदों को 120 घंटे देश के मुद्दों पर चर्चा करनी थी, लेकिन वास्तव में सिर्फ 37 घंटे ही काम हुआ। अर्थात 83 घंटे बेकार गए। केवल 31% काम हुआ और बाकी 69% समय सांसदों की आपसी राजनीति और हंगामे में बर्बाद हो गया। राज्यसभा का भी यही हाल था। यहां भी 120 घंटे काम होना चाहिए था, लेकिन सिर्फ 47 घंटे ही काम किया गया।

मतलब 73 घंटे बर्बाद हो गए। राज्यसभा में भी सांसदों ने सिर्फ 38% काम किया। लोकसभा में 83 घंटे काम नहीं हुआ, जिससे लगभग 124 करोड़ 50 लाख रुपये जनता के पैसे बर्बाद हो गए। वहीं राज्यसभा में 73 घंटे की बर्बादी से करीब 80 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। पिछले मानसून सत्र में दोनों सदनों में मिलाकर कुल 204 करोड़ 50 लाख रुपये बर्बाद हो गए। यह पैसा जनता के काम पर खर्च हो सकता था, लेकिन हंगामे और राजनीति की वजह से व्यर्थ चला गया। संसद के चलने में करोड़ों के इस खर्च का सबसे बड़ा हिस्सा अर्थात करीब 35 से 40 प्रतिशत खर्च इन्हीं सांसदों के वेतन, भत्तों और सुविधाओं पर होता है जो संसद में खड़े होकर चीखते हैं, हंगामा बरपाते हैं, बिलों को पेश तक नहीं होने दे रहे। इन सांसदों को एक लाख रुपये मासिक वेतन, 70 हजार रुपये निर्वाचन क्षेत्र भत्ता, 60 हजार रुपये कार्यालय और सहायक खर्च दिया जाता है। इसके अलावा दिल्ली आने पर प्रतिदिन 2 हजार रुपये का विशेष भत्ता और यात्रा सुविधाएं भी मिलती हैं। संसद सचिवालय के हजारों कर्मचारियों पर करीब 25 से 30 प्रतिशत खर्च होता है। इसमें प्रशासनिक अधिकारी, रिपोर्टर, ट्रांसलेटर्स, रिसर्च स्टाफ, स्टेनोग्राफर, मार्शल, डेटा एंट्री ऑपरेटर और सफाई कर्मचारियों का वेतन शामिल है। करीब 20 प्रतिशत खर्च संसद की हाई-टेक व्यवस्थाओं पर होता है। बिजली-पानी, संसद टीवी की लाइव ब्रॉडकास्टिंग, हाई-एंड रिकॉर्डिंग सिस्टम, डिजिटल वोटिंग पैनल, साथ में इनका खाना-पीना और रोज छपने वाले सैकड़ों विधायी दस्तावेजों की लागत इसी में आता है। 10 से 15 प्रतिशत खर्च संसद की सुरक्षा व्यवस्था पर होता है। दिल्ली पुलिस, सीआरपीएफ, संसद सुरक्षा सेवा, 24 घंटे चलने वाला सीसीटीवी नेटवर्क, आधुनिक स्कैनर और बायोमेट्रिक सिस्टम, ये सब तब भी चलते रहते हैं जब सदन में काम ठप हो जाता है। मतलब देश के खजाने के खर्च का मीटर लगातार घूमता रहता है। लोकसभा में कार्यवाही स्थगित करने का अधिकार स्पीकर यानी अध्यक्ष के पास होता है। राज्यसभा में यह अधिकार सभापति की कुर्सी पर बैठे उपराष्ट्रपति या उनकी गैरमौजूदगी में बैठक को संचालित कर रहे उपसभापति या पीठासीन अधिकारी के पास होता है। संसद की कार्यवाही स्थगित होने का मतलब है कि सदन की बैठक को कुछ समय के लिए या फिर पूरे दिन के लिए रोक दिया जाए। सदन में व्यवस्था बनाए रखना चुनौतीपूर्ण होने पर वह अधिकार का प्रयोग कर सकते हैं। सवाल यह भी है कि क्या विपक्ष जानबूझकर हंगामा करता है? लोकतंत्र में विपक्ष का काम सरकार से जवाब मांगना भी होता है। कई बार विपक्ष की तरफ से चर्चा की मांग, जांच की मांग, मंत्री का बयान, प्रधानमंत्री की अनुपस्थिति को लेकर विरोध किया जाता है। अगर उसकी मांग स्वीकार नहीं होती तो विरोध तेज हो सकता है। वहीं दूसरी तरफ सरकार का कहना होता है कि चर्चा नियमों के अनुसार होनी चाहिए और बाधा होने से जनता का काम रुकता है। इसलिए हर मामले को राजनीतिक परिस्थितियों के संदर्भ में देखना चाहिए। कई बार विपक्ष आरोप लगाता है कि चर्चा की अनुमति नहीं दी गई, जरूरी मुद्दों पर समय नहीं दिया गया, जवाब नहीं दिया गया। जबकि सरकार का पक्ष होता है कि विपक्ष जानबूझकर कार्यवाही नहीं चलने देता। ऐसा नहीं है कि कांग्रेस और विपक्षी दल ही संसद में हंगामा करते हैं। जब भाजपा विपक्ष में थी, तब भी यही हाल था। भाजपा के सांसद संसद में जमकर हंगामा करके संसद को ठप्प कर देते थे। सारे दल इस लिहाज से एक जैसे नजर आते हैं। सर्वाधिक आश्चर्य की बात यह है कि संसद में अरबों रुपए बर्बाद करके जो हंगामा किया जाता है, वह देश के लोगों की भलाई के नाम पर होता है।

रूस में जयशकर, चीन में डोभाल, जापान में पीयूष गोयल ने संभाला मोर्चा

हम आपको बता दें कि भारत-रूस व्यापार 2024-25 में रिकॉर्ड 68.7 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है, लेकिन तस्वीर का दूसरा पक्ष यह है कि भारतीय निर्यात केवल 4.88 अरब डॉलर रहा। यानी व्यापार तेजी से बढ़ा है, मगर संतुलन भारत के पक्ष में नहीं है। भारत की कूटनीति इस समय तीन अलग-अलग राजधानियों में एक साथ अपनी बिसात बिछा रही है। मॉस्को में रूस के साथ ऊर्जा, व्यापार और रणनीतिक साझेदारी को नई गति देने की कोशिश; बीजिंग में चीन के साथ सबसे संवेदनशील सीमा विवाद को संभालते हुए रिश्तों को स्थिर करने की कवायद और टोक्यो में जापानी पूंजी, तकनीक और विनिर्माण को भारत की विकास गाथा से जोड़ने का अभियान। विदेश मंत्री एस. जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल की ये यात्राएं बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत की बहुस्तरीय रणनीति की तीन परस्पर जुड़ी हुई चालें हैं। सबसे पहले मॉस्को यात्रा की बात करें तो आपको बता दें कि जयशंकर की दो दिवसीय रूस यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब भारत पर अमेरिकी टैरिफ और रूसी ऊर्जा खरीद को लेकर दबाव बढ़ा हुआ है। मॉस्को में वह रूस के प्रथम उपप्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव के साथ भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग यानि द्धत्रद्धत्तष्ट-ज्ञश्चष्ट की 27वीं बैठक की सह-अध्यक्षता कर रहे हैं और विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से क्षेत्रीय तथा वैश्विक मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं। हम आपको बता दें कि भारत-रूस व्यापार 2024-25

में रिकॉर्ड 68.7 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है, लेकिन तस्वीर का दूसरा पक्ष यह है कि भारतीय निर्यात केवल 4.88 अरब डॉलर रहा। यानी व्यापार तेजी से बढ़ा है, मगर संतुलन भारत के पक्ष में नहीं है। इसलिए नई दिल्ली अब केवल रूसी तेल खरीदने वाले साझेदार की भूमिका से आगे बढ़कर बाजार पहुंच, निवेश, भुगतान व्यवस्था, लॉजिस्टिक्स और कनेक्टिविटी के सवालों को केंद्र में ला रही है। भारत और रूस ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर, नॉर्दर्न सी रूट और चेन्नई-व्लादिवोस्तोक कॉरिडोर जैसे विकल्पों का महत्व बढ़ जाता है। यह रणनीति दर्शाती है कि भू-राजनीतिक दबाव के बावजूद भारत अपने पुराने, परखे हुए रणनीतिक साझेदार के साथ ऊर्जा, रक्षा, व्यापार और संपर्क के विकल्प खुले रखना चाहता है। यह यात्रा राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की अगले महीने संभावित भारत यात्रा से पहले भी हो रही है, जिससे इसकी राजनीतिक अहमियत और बढ़ जाती है। उधर, मॉस्को में भारत साझेदारी को मजबूत कर रहा है, तो बीजिंग में उसकी प्राथमिकता सीमा विवाद जैसे संवेदनशील मुद्दों को सुलझाने में लगी हुई है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल 25वें भारत-चीन विशेष प्रतिनिधि संवाद के लिए चीन के दौरे पर हैं, जहां उनकी मुलाकात चीन के विदेश मंत्री वांग यी से होनी है। हम आपको याद दिला दें कि साल 2003 में शुरू किया गया यह तंत्र लगभग 3,488 किलोमीटर लंबे सीमा विवाद के राजनीतिक समाधान के लिए बनाया गया था। 25 दौर की बातचीत के बावजूद अंतिम समाधान दूर है, लेकिन दोनों देश इसे तनाव नियंत्रित करने और संवाद बनाए रखने का महत्वपूर्ण माध्यम मानते हैं। खासकर 2020 के बाद सीमा पर पैदा हुई गंभीर स्थिति ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत-चीन संबंधों का भविष्य केवल व्यापार या राजनीतिक संपर्क से तय नहीं होगा। जयशंकर का संदेश भी इसी रणनीतिक सोच को रेखांकित करता है। यानि सीमा पर शांति और स्थिरता, अच्छे संबंधों की पूर्व शर्त है। देखा जाये तो डोभाल की यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब दोनों पक्ष तनाव कम करने और संबंधों को सामान्य बनाने के लिए कुछ कदम उठा रहे हैं, लेकिन सीमा का प्रश्न अब भी निर्णायक है। बातचीत का उद्देश्य केवल विवाद को प्रबंधित करना नहीं, बल्कि उस राजनीतिक जगह को तैयार करना भी है जिसमें भारत और चीन के शीर्ष नेतृत्व के बीच आगे संवाद संभव हो सके। साथ ही डोभाल की यात्रा भी ऐसे समय हो रही है जब चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग का अगले महीने भारत का दौरा लगभग तय माना जा रहा है। इसके अलावा, तीसरा मोर्चा टोक्यो में खुलता है, जहां पीयूष गोयल 200 सदस्यीय कारोबारी प्रतिनिधिमंडल के साथ जापान पहुंचे हैं। यह प्रतिनिधिमंडल टोक्यो, नागोया और ओसाका में सरकारों और उद्योग जगत के साथ बैठकों के जरिए निवेश, व्यापार और तकनीकी सहयोग को नई दिशा देने की कोशिश करेगा। हम आपको बता दें कि भारत की नजर केवल अधिक जापानी निवेश पर नहीं है। लक्ष्य कहीं बड़ा है। लक्ष्य यह है कि जापानी कंपनियां भारत में केवल बेचें नहीं, बल्कि निर्माण करें, डिजाइन करें, नई तकनीक विकसित करें और भारत को वैश्विक निर्यात केंद्र के रूप में इस्तेमाल करें। सेमीकंडक्टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, उन्नत विनिर्माण और नई प्रौद्योगिकियां इस अभियान के प्रमुख क्षेत्र हैं। हम आपको बता दें कि जापान ने भारत में एक दशक के दौरान 10 ट्रिलियन येन निवेश का लक्ष्य रखा है। भारत अब चाहता है कि इस दशक के अंत तक देश में सक्रिय जापानी कंपनियों की संख्या दोगुनी हो। नागोया की औद्योगिक और ऑटोमोबाइल क्षमता, टोक्यो की वित्तीय एवं तकनीकी ताकत और ओसाका के नवाचार तंत्र के साथ भारत अपने विनिर्माण भविष्य की नई साझेदारी तलाश रहा है। मॉस्को, बीजिंग और टोक्यो की इन तीन यात्राओं को एक साथ देखें तो भारत की रणनीति स्पष्ट दिखाई देती है। रूस से ऊर्जा और रणनीतिक स्वायत्तता; चीन से सीमा तनाव को नियंत्रित करते हुए सुरक्षा संतुलन; और जापान से पूंजी, तकनीक तथा वैश्विक सप्लाई चेन में अपनी हिस्सेदारी मजबूत करना। यही भारत की सबसे बड़ी कूटनीतिक चुनौती भी है। यानि किसी एक धुरी का हिस्सा बने बिना सभी महत्वपूर्ण धुरियों के साथ अपने राष्ट्रीय हितों के अनुसार संबंध चलाना। दुनिया जब व्यापार युद्धों, टैरिफ, युद्धों, सप्लाई चेन संकट और महाशक्तियों की प्रतिस्पर्धा से गुजर रही है, तब भारत तीन अलग-अलग राजधानियों में तीन अलग भाषाओं में, लेकिन एक ही संदेश के साथ बात कर रहा है। भारत स्पष्ट कर रहा है कि वह साझेदारी करेगा, दबाव में नहीं झुकेगा; संवाद करेगा, लेकिन सुरक्षा से समझौता नहीं करेगा; और निवेश चाहेगा, लेकिन केवल बाजार बनने के लिए नहीं बल्कि वैश्विक विनिर्माण और तकनीकी शक्ति बनने के लिए। बहरहाल, मॉस्को से बीजिंग और टोक्यो तक फैली यह कूटनीतिक त्रिकोणीय चाल इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसका लक्ष्य केवल आज के संकटों को संभालना नहीं, बल्कि 2030 के भारत की आर्थिक, सामरिक और तकनीकी स्थिति तय करना है।

आज का राशि फल

मेष राशिः आज का दिन जीवन में मील का पत्थर साबित होगा। वकीलों के लिये आज का दिन अच्छा रहेगा, नया केस हाथ लगेगा। आज खास लोगों के बीच किसी नई गतिविधि को लेकर गंभीर चर्चा होगी, जो कि सकारात्मक रहेगी। आज किसी मामले को लेकर विचारों में भावुकता रहेगी। आज कुछ लोग जलन की भावना से आपकी आलोचना कर सकते हैं।

वृष राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपको किसी भी प्रकार के विवादों से दूर रहने की आवश्यकता है। आज व्यवसायिक काम समय पर बनते जाएंगे। विदेश संबंधी व्यवसाय में परिस्थितियां आपके अनुकूल होने के आसार हैं। आज ऑफिस में सहयोगियों की कार्यकुशलता से टारगेट समय पर पूरा हो जाएगा।

मिथुन राशिः आज आपके हर परेशानी का हल चुटकियों में निकल जायेगा। आज आप लेखन कार्यों में रुचि लेंगे आपका लेखन और अच्छा होगा। आज आपकी बातें दूसरों पर प्रभाव डालेगी। आज रोजमर्रा के कामों से हटकर कुछ नया सीखने में समय बीतेगा। प्रॉपर्टी या वाहन की खरीददारी में लाभ की बेहतर स्थिति बनेगी। आध्यात्म और धार्मिक गतिविधियों में आपका रुझान बढ़ेगा।

कर्क राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। किसी नयी बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। थोड़ी सी बात पर परेशान होने के बजाय उसका हल ढूंढने की कोशिश करेंगे तो आपको सलूशन मिल जायेगा। आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए दिन अच्छा है।

सिंह राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज व्यवसाय में अतिरिक्त आय का साधन बनने वाला है। अगर आपका साझेदारी में बिजनेस करने का प्लान है तो ये डील आपके लिए फायदेमंद होगी। अधिकतर समय मार्केटिंग और बाहर की गतिविधियों में बीतेगा। इस राशि के सरकारी नौकरी कर रहे लोग अपने कार्यभार से संतुष्ट रहेंगे। आपको घर के बड़ो से कुछ प्रेरणा मिलेगी। आज आप जो भी काम शुरू करेंगे, वो सफल होगा।

कन्या राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज ध्यान रखें कि अगर प्रयासरत कार्यों में समस्या आती है तो इसकी वजह आपकी एकाग्रता में कमी होगी। आज सम्मानित और प्रभावशाली लोगों के संपर्क में आने से आपको कई नए विषयों की जानकारी मिलेगी। आज घर के लिए इलेक्ट्रॉनिक वस्तु की खरीदारी संभव है। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। आज किसी समस्या को हल करने में आपका सहयोग सकारात्मक रहेगा। आस-पड़ोस की सामाजिक गतिविधियों में आपका वर्चस्व रहेगा। प्रॉपर्टी से संबंधित काम हल होगा। आज नकारात्मक लोगों से दूर रहेंगे और आलस की स्थिति से बचेंगे तो आपका काम समय से पूरा हो जायेगा।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज कार्यों को सुचारु रूप से करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी होगी। हालांकि सही समय पर उचित निर्णय लेने से आपकी काफी समस्याएं हल हो जाएंगी। इस समय नया कार्य शुरू न करें, आज के कामों को ही व्यवस्थित करने पर ध्यान देंगे। ऑफिस में आपका प्रभुत्व बना रहेगा। नवविवाहित दंपत्ति के बीच आज मीठी नोक-झोक होगी, इससे रिश्तों में और मिठास आयेगी। स्वास्थ्य के लिहाज से आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

धनु राशिः आज पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आज जल्दबाजी में फैसला न लें, न ही दूसरों के मामले में हस्तक्षेप करें। आज किसी अनजान व्यक्ति के सहयोग से आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज आप अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाने की योजना बनायेंगे। साथ ही आय बढ़ाने के लिए नया प्लान बनायेंगे। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने का मन बनायेंगे। कला जगत से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

मकर राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। छात्रों को आज बहुत अधिक मेहनत करने की जरूरत है। आज आप लेनदेन को स्थगित रखेंगे तो आने वाली किसी समस्या से बच जायेंगे। इस राशि के लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे, जिससे उनके अंदर आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज आपकी ऑफिशियल यात्रा संभव है।

कुंभ राशिः आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आपका दिन खुशनुमा बीतेगा। घर पर ही परिवारवालों के साथ धार्मिक कार्यों का आयोजन करेंगें। आज आपकी तरक्की के कई रास्ते खुलेंगे। ऑफिस के काम को थोड़ा संभलकर करने की जरूरत है, आपके काम की शिकायत कर सकता है। आज किसी से भी उलझने से आपको बचना चाहिए।

मीन राशिः आज आपको किसी अपने से अच्छी खबर मिलने के योग बने हुये है। आज व्यक्तिगत काम के समय आप घबराने की बजाय परिस्थितियों का समाधान ढूंढने का प्रयास करेंगे और इसमें आप सफल भी होंगे। पारिवारिक सदस्य की किसी उपलब्धि से घर में उत्सव का माहौल रहेगा। मार्केटिंग की जॉब कर रहे लोगों से आज अच्छा क्लाइंट जुड़ेगा।

ऑस्ट्रेलियाई कोर्ट में बासमती पर जंग हारा भारत

कैनबरा, 25 अगस्त (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया की फेडरल कोर्ट ने भारतीय बासमती एक्सपोर्टर्स को बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने ऑस्ट्रेलिया में बासमती चावल के लिए एक खास सर्टिफिकेशन ट्रेडमार्क की भारत की अपील को खारिज कर दिया है। इस फैसले से सबसे ज्यादा असर हरियाणा और पंजाब पर पड़ा है। इनमें से सिर्फ पंजाब देश के बासमती एक्सपोर्ट का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब दोनों राज्यों के बासमती एक्सपोर्टर्स होर्मुज जलडमरूमध्य से शिपमेंट को लेकर अनिश्चितता के बीच दूसरे विदेशी बाजारों में अपना कारोबार बढ़ाने की कोशिश कर रहे थे। बासमती एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के वाइस-प्रेसिडेंट रंजीत सिंह जोसन ने एक रिपोर्ट में कहा है कि हालिया फैसले का मतलब है कि ऑस्ट्रेलियाई बाजार में भारतीय एक्सपोर्टर्स की कोई खास स्थिति नहीं होगी और अब उन्हें पड़ोसी देश पाकिस्तान के एक्सपोर्टर्स से मुकाबला करना होगा।

कोर्ट ने अपने फैसले में साफ किया है कि बासमती चावल सिर्फ भारत की विशेष संपत्ति

पाकिस्तान की बल्ले-बल्ले, किन-किन देशों में दिखेगा असर?

नहीं है बल्कि यह भारत और पाकिस्तान दोनों देशों के सिंधु-गंगा के मैदानी इलाकों में उगाई जाने वाली एक पारंपरिक फसल है। भारत के कुल बासमती निर्यात में अकेले पंजाब की हिस्सेदारी लगभग 40% है। इस फैसले से पंजाब और हरियाणा के निर्यातकों को सबसे ज्यादा नुकसान हो सकता है। ऑस्ट्रेलिया में वर्तमान में भारतीय बासमती का बड़ा दबदबा है। ये कारोबार करीब करीब 380 मिलियन डॉलर है।

जबकि पाकिस्तान का निर्यात सिर्फ 44.12 मिलियन डॉलर के करीब है। अब पाकिस्तानी निर्यातक कम कीमतों के दम पर भारतीय बाजार हिस्सेदारी को कड़ी चुनौती दे सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया एक 'बेंचमार्क' कानूनी व्यवस्था माना जाता है।

इस फैसले का हवाला देकर पाकिस्तान अब यूरोपीय संघ, न्यूजीलैंड और केन्या जैसे अन्य महत्वपूर्ण बाजारों में भी भारत के खिलाफ अपने दावों को और मजबूती से पेश कर सकता है। पाकिस्तान से मिलने वाली कड़ी टक्कर की वजह से भारतीय निर्यातकों को ऑस्ट्रेलिया में अपनी कीमतें घटाने पर मजबूर होना पड़ सकता है जिससे उनका शुद्ध मुनाफा घटेगा। आपको बता दें कि 'बासमती' शब्द सर्टिफाइड एपीडा चावल और अन्य बासमती चावल के बीच कोई अंतर नहीं करता है।

कोर्ट ने ऑस्ट्रेलिया के ट्रेड मार्क्स एक्ट 1995, खासकर सेक्शन 177(2) के प्रावधानों पर भरोसा किया। यह सेक्शन उन फैक्टर्स को बताता है जिनसे यह तय किया जाता है कि क्या कोई सर्टिफिकेशन मार्क सर्टिफाइड सामान को नॉन-सर्टिफाइड सामान से अलग करने में सक्षम है या नहीं। एपीडा ने 2019 में पहली बार ऑस्ट्रेलिया में ट्रेडमार्क के लिए आवेदन किया था।

इसमें बताया गया था कि 1988 और 2018 के बीच ऑस्ट्रेलियाई बाजार में भारतीय बासमती की अच्छी-खासी मौजूदगी रही है। ऑस्ट्रेलियाई रिटेल आउटलेट्स के जरिए बेचे गए भारतीय बासमती की मात्रा का अनुमान 306,095 टन लगाया गया था जिसकी कीमत 380 मिलियन डॉलर थी जबकि पाकिस्तानी बासमती की बिक्री सिर्फ 44.12 मिलियन डॉलर थी।

'होटल में मिलो, तुम अच्छी लगती हो'

युवती ने पटवारी की घिनौनी करतूत का किया खुलासा डर्टी वॉट्सऐप चैट आई सामने

शहडोल, 25 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के शहडोल जिले में राजस्व विभाग की साख को शर्मसार करने वाला एक गंभीर मामला सामने आया है। सोहागपुर तहसील के हल्का नंबर 72 में पदस्थ पटवारी आशीष सोनकर पर एक बेसहारा अनाथ युवती के साथ पद का दुरुपयोग, रिश्वतखोरी और वॉट्सऐप पर अश्लील बातचीत कर शोषण का प्रयास करने के सनसनीखेज आरोप लगे हैं। पीड़िता ने पूरे मामले के इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों और चैट स्क्रीनशॉट्स के साथ जिला कलेक्टर को लिखित शिकायत सौंपकर न्याय की गुहार लगाई है।

सोहागपुर थाना क्षेत्र की रहने वाली पीड़ित युवती ने बताया कि उसके माता-पिता अब इस दुनिया में नहीं हैं और ग्राम पंचायत चापा में उनकी पुश्तैनी जमीन है। जमीन संबंधी काम और जाति प्रमाण-पत्र बनवाने के लिए उन्होंने हल्का नंबर 72 के पटवारी आशीष सोनकर से संपर्क किया था। शिकायत के अनुसार, युवती का आरोप है कि काम कराने के एवज में उससे 20 हजार रुपये की मांग की गई, जिसमें से 15 हजार रुपये नकद देने का दावा किया गया है। युवती ने लेन-देन और बातचीत से संबंधित व्हाट्सऐप चैट को इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य के रूप में सुरक्षित होने की बात कही है। शिकायत का सबसे गंभीर पहलू पटवारी पर अश्लील और आपत्तिजनक व्हाट्सऐप बातचीत करने का आरोप है।

युवती का दावा है कि पटवारी ने काम कराने के बदले उसे होटल में बुलाने और अपने साथ रहने जैसी बातें कहीं। बकौल युवती पटवारी ने उसे मैसेज में लिखा कि होटल में मिलते हैं, तुम अच्छी लगती हो। युवती ने इसे अपने शासकीय पद और अधिकार का दुरुपयोग बताते हुए मानसिक दबाव और शोषण का प्रयास बताया है। युवती का यह भी आरोप है कि शिकायत करने की बात कहने के बाद उसके जमीन संबंधी काम नहीं किए गए और जाति प्रमाण-पत्र भी नहीं बनाया गया। वहीं, पटवारी के सहयोगी रवि पर शिकायत नहीं करने के लिए दबाव बनाने और जान से मरवाने की धमकी देने का आरोप लगाया गया है।

बरवाअड्डा थानेदार से गाली-गलौज : विधायक जयराम पर कार्रवाई की मांग, धनबाद पुलिस का काम करने से इनकार

रांची, 25 अगस्त (एजेंसियां)। जेएलकेएम प्रमुख व डुमरी विधायक जयराम महतो का बरवाअड्डा थाना प्रभारी रवि कुमार से कथित गाली-गलौज का ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि यह व्हाट्सएप कॉल की रिकॉर्डिंग है, जिसे दूसरे मोबाइल से रिकॉर्ड किया गया। हालांकि वायरल ऑडियो-वीडियो की पुष्टि प्रभात खबर नहीं करता है। मामले को लेकर थाना प्रभारी रवि कुमार ने बरवाअड्डा थाने में विधायक जयराम महतो के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी है। मालूम हो कि इसी थाने में विधायक के खिलाफ एक मामला पहले से दर्ज है। उसी एफआईआर में इसे जोड़ा गया है। जिसमें पहले से 50 अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया है।

मामले को लेकर धनबाद पुलिस मेंस एसोसिएशन बरवाअड्डा के थानेदार रवि कुमार के समर्थन में आगे आया है। एसोसिएशन ने कहा है कि जबतक मामले में कार्रवाई नहीं होगी, धनबाद में पुलिस काम नहीं करेगी। एसोसिएशन का कहना है कि बॉडीगार्ड के रूप में माननीयों को हमारी जरूरत पड़ती है और जब हम उनके गलत का समर्थन नहीं करते तो हमें ही गालियां देते हैं।

रोहिणी आश्रम में क्या हो रहा? महिलाओं की सुरक्षा पर दिल्ली एचसी का सवाल

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने रोहिणी स्थित आध्यात्मिक विश्व विद्यालय आश्रम में महिलाओं और लड़कियों को कथित तौर पर बंधक बनाए जाने के पुराने आरोपों के बीच बेहद सख्त टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि आश्रम की गतिविधियों और उसके संचालन के तरीके की जांच जरूरी है। समाज को यह जानने का पूरा अधिकार है कि इन आश्रमों के अंदर आखिर क्या हो रहा है? मामले की सुनवाई के दौरान सीबीआई ने कोर्ट को बताया कि लंबे समय से फरार चल रहे स्वयंभू आध्यात्मिक गुरु वीरेंद्र देव दीक्षित की मौत हो चुकी है। इस पर कोर्ट ने सवाल उठाया कि अब आश्रमों की जिम्मेदारी कौन संभाल रहा है और वहां होने वाली गतिविधियों के लिए जवाबदेह कौन है? मामले में एक महिला के परिजनों ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उनका कहना है कि महिला आश्रम में रह रही थी, लेकिन अब उसका कोई पता नहीं है। हैरानी की बात यह है कि उसका सामान और निजी सामान अभी भी रोहिणी स्थित आश्रम में मौजूद है। कोर्ट ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए विजय विहार थाना एसएचओ को महिला की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर जांच करने का आदेश दिया है। जांच की रिपोर्ट 31 अगस्त को कोर्ट के सामने पेश करनी होगी।

महिला के परिजनों की ओर से कोर्ट को बताया गया कि उसके पिता गंभीर रूप से बीमार हैं और अस्पताल में भर्ती हैं। माता-पिता उम्रदराज हैं और उनकी देखभाल करने वाला कोई दूसरा नहीं है। उन्होंने वीडियो कॉल के जरिए अपनी बेटी से बात की थी और उसकी हालत भी ठीक नहीं लगी। परिजनों का कहना है कि वे अपनी बेटी को अपने पास बुलाना चाहते थे। लेकिन उसने उनके साथ आने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने साफ कहा कि किसी की आस्था या धार्मिक विश्वास में दखल देने का उसका कोई इरादा नहीं है। लेकिन आस्था की आड़ में जवाबदेही खत्म नहीं हो सकती।

समृद्ध महासागर का हिस्सा मिस्र के रेगिस्तान में कभी तैरती थीं विशाल शार्क मछलियां, क्रमिक रूप से हुआ विकास

काहिरा, 25 अगस्त (एजेंसियां)। मिस्र का रेगिस्तान करोड़ों साल पहले (लगभग 14.5 से 6.6 करोड़ वर्ष पूर्व) एक विशाल और समृद्ध महासागर का हिस्सा था। हाल ही में वैज्ञानिकों ने मिस्र के पश्चिमी रेगिस्तान में स्थित अबू-तरतूर पठार पर शार्क के प्राचीन जीवाश्म और दांतों की खोज की है, जो इस बात का प्रमाण देते हैं कि यह सूखा क्षेत्र कभी समुद्री जीवों और विभिन्न प्रजातियों की शार्क का गढ़ था। मिस्र में प्राचीन शार्क के जीवाश्मों की खोज से जुड़ी यह रिपोर्ट अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका 'क्रिटेशियस रिसर्च' में प्रकाशित हुई है। मिस्र के पश्चिमी रेगिस्तान की चट्टानों से काहिरा विश्वविद्यालय के जीवाश्म विज्ञानी तारेक यासीन ने सात अलग-अलग शार्क प्रजातियों के दुर्लभ जीवाश्मों और शार्क के दांतों का पता लगाया है। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में मिलने वाले दांतों की आकृतियां अलग-अलग हैं। कुछ सुई जैसी नुकीली हैं तो कुछ चौड़ी और आरी के आकार की हैं, जो शिकार के अनुकूल थीं। वैज्ञानिकों के अनुसार, प्राचीन काल में यहां गहरी समुद्री धाराएं चलती थीं जो पानी की सतह पर पोषक तत्व लाती थीं।

सारंडा जंगल 30 साल तक माओवादियों का गढ़ रहने के बाद अब नक्सल-मुक्त घोषित

रांची, 25 अगस्त (एजेंसियां)। कोल्हान का सारंडा जंगल, जो लगभग तीन दशकों तक माओवादियों का गढ़ रहा, उसे झारखंड पुलिस ने राज्य भर में लगातार नक्सल-विरोधी अभियानों के बाद नक्सल-मुक्त घोषित कर दिया है। पुलिस ने कहा कि यह उपलब्धि इस दूर-दराज के इलाके में एक बड़ा बदलाव है। चाइबासा के एसपी अमित रेणु ने बताया कि 11 अगस्त को एक बड़ी कामयाबी मिली, जब 'ऑपरेशन नवजीवन-तृतीय' के तहत चार सक्रिय माओवादियों ने पुलिस के सामने सरेंडर किया। इनमें सालुका कायम भी शामिल था, जो सीपीआई (माओवादी) का ज़ोनल कमांडर था और जिस पर 10 लाख रुपये का इनाम था।

वह कोल्हान, पोराहाट और सारंडा के दूर-दराज के जंगलों और पहाड़ियों में सक्रिय आखिरी सीनियर माओवादी नेताओं में से एक था। सरेंडर के बाद, 15 अगस्त को पश्चिमी सिंहभूम के सारंडा-कोल्हान जंगलों के अंदर बसे संगजाता गांव में पहली बार तिरंगा फहराया गया। एसडीपीओ डॉ। सैयद मुस्तफा हाशमी ने झंडा फहराया और ग्रामीणों ने पुलिस के साथ मिलकर स्वतंत्रता दिवस और माओवादी हिंसा से अपनी आज़ादी का जश्न मनाया। हाशमी ने एक हेल्थ कैंप भी लगाया, जिसमें मरीज़ों की जांच की गई और उन्हें सलाह, इलाज और दूसरी स्वास्थ्य सुविधाएं दी गईं।

यह पहली बार था जब कोई सीनियर पुलिस अधिकारी इस दूर-दराज के गांव में गया था। पुलिस ने बताया कि आखिरी चार माओवादियों के सरेंडर के बाद ही जिले को नक्सल-मुक्त घोषित किया गया। 'ऑपरेशन नवजीवन-आई और द्वितीय' के तहत, रांची में क्रमशः 21 मई और 28 जुलाई को 25 और 14 माओवादियों ने सरेंडर किया था। पुलिस ने कहा कि सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसियों की मदद से चाइबासा पुलिस के अभियानों ने घेराबंदी को और मज़बूत किया।

दो करोड़ की एफडी का झांसा, मेडिकल भुगतान का बहाना; कार कंपनी का मालिक बनकर बैंक मैनेजर से ठगे 4.99 लाख

रायपुर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। राजधानी के तेलीबांधा थाना क्षेत्र स्थित भारतीय स्टेट बैंक की आईजीकेवी शाखा की बैंक प्रबंधक से जालसाजों ने 4 लाख 99 हजार रुपये की ठगी की। आरोपी ने खुद को कार कंपनी का संचालक बताकर 2 करोड़ रुपये की एफडी कराने का झांसा दिया और भरोसा जीता। इसके बाद उसने आपातकालीन मेडिकल भुगतान के बहाने धोखाधड़ी कर दूसरे बैंक खाते में राशि स्थानांतरित करवा ली। पीड़िता श्वेता शर्मा की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, श्वेता शर्मा के मोबाइल पर एक अज्ञात व्यक्ति का कॉल आया। फोन न उठने पर उस व्यक्ति ने मैसेज भेजकर संपर्क साधा। बैंक में करीब 2 करोड़ रुपये की एफडी करवाने की इच्छा जाहिर करते हुए ब्याज दरों की जानकारी मांगी।

भिखारियों और माइग्रेशन के नियमों में बड़ा बदलाव

2027 की जनगणना में कैसे बदल जाएगा आंकड़ों का स्वरूप?

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। आगामी राष्ट्रीय जनगणना 2027 के नियमों और आंकड़ों के संग्रह के तरीके में केंद्र सरकार ने कई बड़े और ऐतिहासिक बदलाव किए हैं। इस बार की जनगणना में भीख मांगने या खानाबदोश लोगों का डाटा अलग से दर्ज नहीं किया जाएगा। सरकार ने 'गैर-आर्थिक गतिविधियों' की सूची से 'भिखारी और घुमंतू' की स्वतंत्र श्रेणी को पूरी तरह हटा दिया है। सूत्रों के अनुसार, 2011 की पिछली जनगणना में इस श्रेणी में बेहद कम (लगभग 3.8 लाख) लोगों ने खुद को दर्ज कराया था, जिसके चलते अब इन्हें एक अलग वर्ग के बजाय 'अन्य' की सामान्य श्रेणी में शामिल किया जाएगा।

इस बदलाव के कारण अब देश में भिखारियों की संख्या, उनका धर्म, उम्र, शिक्षा या राज्यवार आंकड़ा अलग से तालिकाओं में देखने को नहीं मिलेगा। इसके साथ ही जनसंख्या के विस्थापन को बेहतर ढंग से समझने के लिए एक और महत्वपूर्ण संशोधन किया गया है। माइग्रेशन के कारणों में अब पहली बार 'प्राकृतिक आपदा'

का विकल्प जोड़ा गया है। अब तक लोगों के घर या शहर छोड़ने के मुख्य कारणों में सिर्फ काम, कारोबार, पढ़ाई, शादी, जन्म के बाद स्थानांतरण या परिवार के साथ जाने जैसे विकल्प ही शामिल थे।

अब बाढ़, सूखा, लैंडस्लाइड और चक्रवात जैसी प्राकृतिक विभीषिकाओं के चलते पलायन करने वाले नागरिकों का सटीक और अलग डेटा दर्ज किया जा सकेगा। यह कदम भविष्य की आपदा प्रबंधन नीतियों को और अधिक प्रभावी बनाने में मददगार साबित होगा।

2011 की जनगणना और उससे पहले की जनगणनाओं में 'भीख मांगने वालों और खानाबदोश लोगों' को – छात्रों, घर का काम करने वालों, आश्रितों, पेंशनभोगियों, किराया पाने वालों और अन्य लोगों के साथ – 'गैर-आर्थिक गतिविधियों' में लगे सीमांत और गैर-कामकाजी लोगों की श्रेणी में रखा गया था। लेकिन अब उन्हें 'अन्य' श्रेणी में गिना जाएगा। नतीजतन, देश में भीख मांगने वालों की संख्या या उम्र, धर्म, राज्य/केंद्र शासित प्रदेश, शिक्षा के स्तर आदि के आधार पर उनका वर्गीकरण अब जनगणना के आंकड़ों में शामिल नहीं होगा। रिपोर्ट के मुताबिक, सूत्रों का कहना है कि पिछली जनगणनाओं में 'भीख मांगने वालों और खानाबदोश लोगों' की जो गिनती की गई थी, उसे विश्वसनीय नहीं माना गया क्योंकि इस श्रेणी में आने वाले कई लोग सामाजिक बदनामी के डर से खुद को इस रूप में बताने से हिचकिचाते थे।

एक अधिकारी ने कहा, "जनगणना के नियमों के अनुसार, गणना करने वाले कर्मचारी को वही पेशा या गैर-आर्थिक गतिविधि दर्ज करनी होती है जो संबंधित व्यक्ति बताता है।" इस तरह, जनगणना 2011 में गैर-कामकाजी भीख मांगने वालों/आवारा लोगों की संख्या लगभग 3.8 लाख, जनगणना 2001 में 6.3 लाख और जनगणना 1991 में लगभग 5.4 लाख दर्ज की गई थी।

खाली प्लॉट में पानी जमा मिला तो लगेगा जुर्माना: भोपाल कलेक्टर सख्त, लापरवाह सुपरवाइजरों पर होगी कार्रवाई

भोपाल, 25 अगस्त (एजेंसियां)। राजधानी भोपाल में डेंगू-मलेरिया जैसे मच्छरजनित रोगों की रोकथाम को लेकर प्रशासन ने सख्ती शुरू कर दी है। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने खाली प्लॉटों में जमा पानी का तत्काल निपटारा कराने और लापरवाही मिलने पर मौके पर ही जुर्माना लगाने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए नगर निगम को कार्रवाई करने को कहा गया है। जानकारी के लिए बतांदे कि इन दिनों डेंगू-मलेरिया के केस बढ़ने लगे हैं। यही वजह है कि प्रशासन अलर्ट पर है। बैठक में कलेक्टर ने मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत स्वास्थ्य और महिला एवं बाल विकास विभाग की सभी निर्धारित सेवाएं लोगों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। जिस क्षेत्र में अभियान आयोजित होगा, वहां कुपोषित बच्चों के फॉलोअप की निगरानी कलेक्टर स्वयं करेंगे। पोषण सेवाओं की समीक्षा के दौरान स्पष्ट किया गया कि काम में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।

फिजिक्स वाला के अलख पांडे को एचसी से मिली राहत

अश्लील कंटेंट हटाने का ऑनलाइन प्लेटफॉर्म को आदेश

नई दिल्ली, 25 अगस्त (एजेंसियां)। व्यक्तिगत अधिकारों पर सुरक्षा की मांग वाली फिजिक्स वाला के फाउंडर अलख पांडेय की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने टिप्पणी की कि अभिव्यक्ति की आजादी और व्यंग्य को दबाने के लिए व्यक्तिगत अधिकारों का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

कैरिकेचर, व्यंग या पैरोडी को रोकने के लिए व्यक्तिगत अधिकारों पर सुरक्षा की मांग वाली याचिका पर अदालत ने चेतावती भी दी। फिजिक्स वाला के फाउंडर अलख पांडे ने उनके नाम, तस्वीर और दूसरी पहचान वाली चीजों के गलत इस्तेमाल के खिलाफ याचिका दायर की थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि कई इंटरनेट प्लेटफॉर्म और उपयोगकर्ता सोशल मीडिया पोस्ट, स्टिकर पैक जैसे तरीकों से उनके नाम, तस्वीर वगैरह से रुपये कमा रहे थे। यह भी कहा कि इन पोस्ट में से कुछ सामग्री अश्लील और पोर्नोग्राफी से जुड़ी है। हालांकि, सभी तथ्यों को देखते हुए अदालत ने कहा कि याचिका में बहुत ज्यादा व्यापक राहत की मांग की गई है और इसलिए इसके गलत इस्तेमाल की संभावना है।

अदालत ने अश्लील व पोर्नोग्राफी से जुड़ी सामग्री को हटाने का आदेश दिया। पीठ ने कहा कि अदालत यह सुनिश्चित करना चाहती है कि व्यक्तिगत अधिकारों पर सुरक्षा का इस्तेमाल गलत कामों से जुड़ी जानकारी को फैलने से रोकने के लिए न किया जाए। पीठ ने कहा कि व्यंग या मजाक को किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व या व्यक्तिगत अधिकार का व्यवसायिक इस्तेमाल नहीं माना जा सकता।

अदालत ने ऑनलाइन प्लेटफार्म को आदेश में बताए गए आपत्तिजनक कंटेंट को हटाने का निर्देश दिया। इस तरह के मामले में कई मशहूर क्रिकेटर, अभिनेता, अभिनेत्री व राजनेताओं को अंतरित आदेश पारित किया गया है। हाई कोर्ट ने उन्हें अंतरिम राहत दी है।

मानसून मेहरबान, बंगाल की खाड़ी के सिस्टम का असर अगले दो दिन भी बरसेंगे बादल

रायपुर, 25 अगस्त (एजेंसियां)। सावन के अंतिम सोमवार को छत्तीसगढ़ में मानसून ने अपना असर दिखाया। राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के कई हिस्सों में झमाझम बारिश हुई। रायपुर में दिनभर हुई बारिश से जनजीवन प्रभावित रहा और करीब 12 सेंटीमीटर वर्षा दर्ज की गई। बस्तर संभाग के कई इलाकों में भी अच्छी बारिश हुई, जबकि रायपुर, बिलासपुर और सरगुजा संभाग के कुछ हिस्सों में भारी बारिश देखने को मिली। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में मानसून फिलहाल सक्रिय है। बंगाल की खाड़ी में बने मौसम तंत्र का असर छत्तीसगढ़ पर बना हुआ है। इसके चलते अगले दो दिनों तक बारिश का सिलसिला जारी रहने की संभावना है। हालांकि इसके बाद बारिश की गतिविधियों में कुछ कमी आ सकती है। मंगलवार सुबह राजधानी रायपुर में मौसम कुछ साफ नजर आया और धूप भी निकली। हालांकि मौसम विभाग ने दिन में बादल छाने के साथ कहीं-कहीं बारिश या हल्की बूंदाबांदी की संभावना जताई है।

तापमान की बात करें तो अधिकतम तापमान करीब 29 डिग्री और न्यूनतम 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिम बंगाल, झारखंड और ओडिशा के आसपास कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इसके साथ चक्रवाती परिसंचरण भी सक्रिय है। वहीं दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश से लेकर पश्चिम बंगाल, झारखंड और उत्तरी ओडिशा तक बने सिस्टम के बीच द्रोणिका बनी हुई है।

सीएम की पत्नी के 5 करोड़ वाले नोटिस पर रिटायर्ड जज रंजीत सिंह को कोई नोटिस नहीं मिला है

चंडीगढ़, 25 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की पत्नी गुरप्रीत कौर ने पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट के पूर्व जज रंजीत सिंह को एक कानूनी नोटिस भेजा है। आम आदमी पार्टी का आरोप है कि उन्होंने एक रेप केस को दबाने के लिए 5 करोड़ रुपये मांगे। हालांकि आप के आरोप पर पूर्व जज ने दावा किया कि उन्हें ऐसा कोई नोटिस नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें नोटिस मिला, तब भी वह उसका कोई जवब नहीं देंगे। उन्होंने आरोपों के खिलाफ कानूनी रास्ता अपनाने को कहा है। रिटायर्ड जस्टिस सिंह ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि मैं एक बात साफ करना चाहता हूं। मुझे आज तक कोई कानूनी नोटिस नहीं मिला है।

और अगर मुझे कोई नोटिस मिलता भी है, तो

मैं उससे डरता नहीं हूं। मैं उस नोटिस का जवाब नहीं दूंगा। अगर वे इस मामले को कोर्ट में ले जाते हैं, तो हम कोर्ट के सामने जो भी तथ्य रखेंगे। जो भी नतीजे उन लोगों के लिए होंगे जो इसे कोर्ट में ले जा रहे हैं, उसके लिए वे खुद जिम्मेदार होंगे। पंजाब ह्यूमन राइट्स ऑर्गनाइज़ेशन (पीएचआरओ) के चेयरमैन रंजीत सिंह ने कहा, 'मैं यह भी साफ करना चाहता हूं कि इसमें सिर्फ वे लोग ही शामिल नहीं होंगे जिन पर आरोप लगाए गए हैं। कई और लोग भी जांच के दायरे में आ सकते हैं, जिनमें पुलिस और कई अन्य लोग शामिल हो सकते हैं।'

उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि हमने आपके सामने जो बातें रखीं, वे तथ्यों पर आधारित थीं। 20 जुलाई के पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के आदेश का ज़िक्र करते हुए रिटायर्ड जस्टिस सिंह ने कहा कि 20 जुलाई के फैसले को किसी अखबार या प्रेस रिपोर्टर ने जनता के सामने नहीं रखा था। हमने बस रिकॉर्ड के तौर पर यह बताया था कि एक रेप पीड़िता के साथ अन्याय हो रहा था और उसके मानवाधिकारों का उल्लंघन हो रहा था। हमने इसे जनता के सामने लाना अपना फर्ज समझा ताकि उसे न्याय मिल सके। हमारा कोई और मकसद नहीं था। पंजाब ह्यूमन राइट्स ऑर्गनाइज़ेशन ने अपनी तरफ से किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया। हमने बस कोर्ट के फैसले के आधार पर यह मामला आपके सामने रखा।

उन्होंने कहा कि पीएचआरओ अपना काम जारी रखेगा। कहा कि हम किसी से नहीं डरते। हम सच के साथ खड़े हैं। हम आपको भरोसा दिलाते हैं कि भविष्य में भी, अगर किसी व्यक्ति के ख़िलाफ़ मानवाधिकार उल्लंघन का कोई मामला सामने आता है। चाहे वह व्यक्ति किसी भी पद पर हो- तो हम उसे उठाएंगे और मजबूती से उसके साथ खड़े रहेंगे।

भूख हड़ताल कर रहे आदिवासी छात्रों की आवाज उठाने पर रोहित पवार ने राहुल का जताया आभार

मुंबई, 25 अगस्त (एजेंसियां)। पुणे के बारामती से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) विधायक रोहित पवार ने भूख हड़ताल पर बैठे महाराष्ट्र के आदिवासी छात्रों की आवाज उठाने और मुख्यमंत्री को पत्र लिखने पर आभार जताया है। रोहित पवार ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, राहुल गांधी, आपने इस अत्यंत महत्वपूर्ण विषय में व्यक्तिगत रूप से ध्यान दिया, इसके लिए आपका हृदय से आभार। रोहित पवार ने कहा, आदिवासी छात्रों का यह मुद्दा बेहद गंभीर और संवेदनशील है। दुर्भाग्य की बात है कि कल हुई महाराष्ट्र कैबिनेट की बैठक में इस विषय पर चर्चा तक नहीं हुई।

आदिवासी मंत्री के साथ हुई छात्रों की बैठक में भी कुछ हल नहीं निकला। इससे साफ होता है कि सरकार आदिवासी छात्रों की न्यायसंगत मांगें और उनकी समस्याओं के समाधान को लेकर गंभीर नहीं है। रोहित पवार ने कहा, इसीलिए आने वाले कुछ दिनों में इन छात्रों द्वारा एक बड़े जनआंदोलन का आयोजन किए जाने की संभावना है। यदि ऐसा होता है, तो इस आंदोलन में आपकी (राहुल गांधी) भी उपस्थिति रहे, ऐसी इन छात्रों की इच्छा है। आपकी उपस्थिति से इस संवेदनहीन सरकार पर निश्चित रूप से बड़ा दबाव बनेगा और सरकार को पीछे हटकर छात्रों की न्यायसंगत मांगों को स्वीकार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा।

बोनी कपूर ने बेटी जाह्नवी कपूर के साथ अपने सिग्नेचर लुक्स के 'पिछले कुछ हफ्तों' की झलक साझा की

फिल्म निर्माता बोनी कपूर ने अपनी बेटी और अभिनेत्री जाह्नवी कपूर के साथ अपने सिग्नेचर लुक्स की झलक साझा की। फिल्म निर्माता बोनी कपूर ने अपनी बेटी और अभिनेत्री जाह्नवी कपूर के साथ अपने सिग्नेचर लुक्स की झलक साझा की।

उन्होंने इंस्टाग्राम पर जाह्नवी कपूर के साथ पोज देते हुए तस्वीरों की एक श्रृंखला साझा की और कैप्शन में लिखा, फॉर्मल्स, कैजुअल्स और अचकन के ट्विस्ट वाले सेल्फ-स्टाइल्ड पायजामा-कुर्तों में बिताए पिछले कुछ हफ्ते।

तस्वीरों में बोनी और जाह्नवी साथ में पोज देते नजर आ रहे हैं, जो उनके सहज और स्टाइलिश पलों की झलक दिखाती हैं। इन तस्वीरों के साथ बोनी कपूर ने अपने हालिया फैशन विकल्पों पर एक मजेदार टिप्पणी भी साझा की। यह पोस्ट पिता-पुत्री की गर्मजोशी और आत्मीयता भरे रिश्ते को दर्शाती है।

पहली तस्वीर में बोनी कपूर अपनी बेटी के साथ पोज देते हुए खुशी से मुस्कुराते नजर आए। दूसरी तस्वीर में फिल्म निर्माता नीले रंग के कोट और काली पैंट में दिखाई दिए, जबकि 'धड़क' अभिनेत्री फ्लोरल आउटफिट में बेहद स्टाइलिश लग रही थीं। तीसरी तस्वीर में बोनी कपूर ऑल-ब्लैक सूट में आकर्षक अंदाज में नजर आए। अन्य तस्वीरों में निर्देशक को कैजुअल परिधानों में देखा जा सकता है।

जाह्नवी कपूर फिल्म निर्माता बोनी कपूर और दिवंगत दिग्गज अभिनेत्री श्रीदेवी की बड़ी बेटी हैं। उनकी छोटी बहन खुशी कपूर भी अभिनेत्री हैं। इससे पहले फादर्स डे के अवसर पर 'मिली' अभिनेत्री ने अपने पिता बोनी कपूर के लिए एक भावुक संदेश साझा किया था। उन्होंने बचपन की एक तस्वीर पोस्ट की थी, जिसमें वह अपने पिता की गोद में बैठी नजर आ रही थीं।

जाह्नवी ने लिखा था,फादर्स डे की शुभकामनाएं उस सबसे बेहतरीन इंसान को जिसे मैं जानती हूं। सबसे अच्छा दिल, सबसे अच्छी सोच, सबसे प्यार करने वाले, सबसे ज्यादा ख्याल रखने वाले, सबसे मजेदार और सबसे कूल, मेरे सबसे अच्छे दोस्त, जो हर किसी के लिए सब कुछ करते हैं और बदले में कुछ भी उम्मीद नहीं रखते। आप मेरा सहारा हैं। मैं आपको दुनिया का सबसे खुश और सबसे गर्वित पापा बनाना चाहती हूं और मैं वादा करती हूं कि इसके लिए हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगी। जिन दिनों मैं आपको परेशान करती हूं, उसके लिए माफ कीजिए।

राशि खन्ना ने इंडस्ट्री में अपने 13 साल के सफर पर कहा- काम करना हमेशा एक सौभाग्य जैसा लगा

अभिनेत्री राशि खन्ना, जिन्हें हाल ही में फिल्म '120 बहादुर' में विशेष भूमिका में देखा गया था, ने भारतीय फिल्म उद्योग में अपने 13 साल पूरे कर लिए हैं। अभिनेत्री ने कहा कि 'मद्रास कैफे' से अपने करियर की शुरुआत के बाद से उन्हें ऐसा लगता है कि समय पंख लगाकर उड़ गया क्योंकि उन्होंने हमेशा अपने काम को एक विशेषाधिकार के रूप में देखा है। यह फिल्म 2013 में रिलीज हुई थी और इसी ने राशि खन्ना के लिए चार अलग-अलग फिल्म उद्योगों में काम करने का रास्ता खोला। इसके बाद वह देश की चर्चित फिल्मों और परियोजनाओं का हिस्सा बनीं।

अपने सफर को याद करते हुए राशि ने कहा, तेरह साल एक लंबा समय होता है लेकिन यह बहुत तेजी से बीत गया क्योंकि काम करना कभी विशेषाधिकार लगना बंद नहीं हुआ। 'मद्रास कैफे' को याद करने पर मुझे एहसास होता है कि मैंने शुरुआत क्यों की थी। इस फिल्म ने मुझे ऐसी कहानियां कहने का अवसर दिया जो मेरे लिए मायने रखती हैं, और मैं उन सभी सहयोगियों की आभारी हूं जिन्होंने इस सफर में मेरा साथ दिया।

अपने डेब्यू के बाद से राशि ने हिंदी, तमिल, तेलुगु और मलयालम सिनेमा में काम करते हुए एक मजबूत पहचान बनाई है। उनकी पीढ़ी के चुनिंदा कलाकारों में से वह एक हैं, जिन्होंने चारों फिल्म उद्योगों में अपनी मौजूदगी कायम रखी है। यह विविधता संयोग नहीं बल्कि उनके सोच-समझकर लिए गए फैसलों का परिणाम है, जिसने उन्हें एक उभरती हुई अभिनेत्री से पैन-इंडिया स्टार तक पहुंचाया।

वर्तमान में अभिनेत्री राज और डीके की लोकप्रिय वेब सीरीज 'फर्जी' के दूसरे सीजन की शूटिंग कर रही हैं। इसमें वह एक बार फिर आरबीआई अधिकारी मेघा व्यास की भूमिका में नजर आएंगी। इस सीरीज में उनके साथ शाहिद कपूर और विजय सेतुपति भी दिखाई देंगे। राज और डीके द्वारा निर्मित और निर्देशित यह क्राइम थ्रिलर एक ऐसे कलाकार की कहानी है, जो आर्थिक परेशानियों से निकलने के लिए नकली नोट बनाने के रास्ते पर चल पड़ता है। राशि खन्ना जल्द ही तमिल एक्शन थ्रिलर 'धर्मन' में सुपरस्टार रजनीकांत के साथ नजर आएंगी। इसके अलावा वह निर्देशक अनीस बज्मी की अगली कॉमेडी-ड्रामा फिल्म में अभिनेता अक्षय कुमार के साथ भी दिखाई देंगी।

श्रीदेवी की स्टूडेंट बनना चाहती थीं काजोल

बोलीं- 'आप स्कूल खोलिए, मैं पहली छात्रा बनूंगी'

हिंदी सिनेमा में कुछ अभिनेत्रियां ऐसी रही हैं, जिनका असर आगे आने वाली पीढ़ी के कलाकारों पर भी दिखाई देता है। श्रीदेवी भी ऐसी ही कलाकार थीं। बॉलीवुड की कई अभिनेत्रियां उन्हें अपनी प्रेरणा मानती रही हैं। इनमें अभिनेत्री काजोल का नाम भी शामिल है। काजोल ने एक इंटरव्यू में बताया था कि वह श्रीदेवी के अभिनय से इतनी प्रभावित थीं कि चाहती थीं कि दिग्गज अभिनेत्री अपना एक अभिनय स्कूल खोलें और वह उनकी पहली छात्रा बनें। काजोल ने यह दिलचस्प बात अभिनेता अनुपम खेर के लोकप्रिय टॉक शो 'द अनुपम खेर शो' में कही। बातचीत के दौरान अनुपम खेर ने उनसे पूछा कि फिल्मों में आने से पहले उनकी पसंदीदा अभिनेत्रियां कौन थीं। इस सवाल के जवाब में काजोल ने बताया कि जब वह बहुत छोटी थीं, तब उनकी कोई एक पसंदीदा अभिनेत्री नहीं थी। लेकिन जैसे-जैसे वह बड़ी हुईं,

श्रीदेवी का अभिनय उन्हें बेहद पसंद आने लगा। काजोल ने कहा, श्रीदेवी शानदार अभिनेत्री थीं। मैं उनसे हमेशा कहती थी कि उन्हें एक अभिनय स्कूल खोल लेना चाहिए। अगर ऐसा होता तो मैं खुद उस स्कूल की पहली छात्रा बनना चाहती थी और बहुत कुछ सीखना चाहती थी।"

काजोल ने श्रीदेवी की सबसे बड़ी खूबी उनके अभिनय में बदलाव को बताया। उन्होंने कहा, श्रीदेवी जिस किरदार को निभाती थीं, उसमें पूरी तरह उतर जाती थीं। दर्शक उन्हें देखकर यह भूल जाते थे कि सामने एक अभिनेत्री है और उन्हें सिर्फ वही किरदार नजर आता था, जिसे वह निभा रही होती थीं। यही बात श्रीदेवी को दूसरी अभिनेत्रियों से अलग बनाती थी।

काजोल ने 'चांदनी', 'चालबाज', 'सदमा' और 'लम्हे' जैसी फिल्मों का उदाहरण देते हुए कहा कि इन फिल्मों में श्रीदेवी के किरदार एक-दूसरे से बिल्कुल अलग थे, लेकिन हर भूमिका में वह पूरी तरह विश्वसनीय लगीं।

काजोल ने आगे कहा, श्रीदेवी के किरदारों में कहीं न कहीं उनकी अपनी शख्सियत की हल्की झलक जरूर मिलती थी, लेकिन वह कभी किरदार पर हावी नहीं होती थी। यही एक सच्चे अभिनेता की पहचान थी। फिल्म 'खुदा गवाह' में श्रीदेवी का अभिनय शानदार था। उनकी आंखों में कभी उम्र दिखाई नहीं देती थी। उनके अंदर हमेशा जिंदगी को लेकर उत्साह नजर आता था। हमेशा कुछ नया करने की इच्छा दिखाई देती थी। ऐसा लगता था कि उन्होंने कितना भी काम कर लिया हो, लेकिन अभी भी उनके अंदर बहुत कुछ करने की चाह बाकी है।

श्रीदेवी का 24 फरवरी 2018 को 54 साल की उम्र में निधन हो गया था। दुबई में एक पारिवारिक समारोह के दौरान होटल के बाथटब में दुर्घटनावश डूबने से उनकी मौत हुई थी। उनके अचानक चले जाने से पूरा फिल्म जगत स्तब्ध रह गया।

अनुपम खेर ने यश की तारीफ की

कहा – असाधारण प्रतिभा वाला सुपरस्टार

अभिनेता अनुपम खेर ने हाल ही में कन्नड़ सुपरस्टार यश से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद अनुपम खेर ने सोशल मीडिया पर यश के साथ तस्वीरें शेयर कीं और उनके अभिनय सफर की जमकर तारीफ की। खास तौर पर उन्होंने यश के 'केजीएफ' फ्रेंचाइजी में निभाए गए रॉकी के किरदार को याद किया और बताया कि इस दमदार किरदार के पीछे उन्हें एक समझदार इंसान नजर आए। अनुपम खेर ने यश से मुलाकात को बेहद खास बताया, साथ ही उन्हें असाधारण प्रतिभा वाला कलाकार कहा। उन्होंने कहा, मैं लंबे समय से यश के सफर को करीब से देखता और पसंद करता आया हूं। खासकर 'केजीएफः चैप्टर 1' और 'केजीएफः चैप्टर 2' में रॉकी के किरदार को जिस तरह यश ने पर्दे पर पेश किया, उससे मैं काफी प्रभावित हूं। अनुपम खेर ने आगे कहा, यश ने सिर्फ रॉकी का किरदार निभाया नहीं था, बल्कि उसमें अपनी जान डाल

दी थी। उन्होंने रॉकी को एक अलग आत्मा, अपना अंदाज और ऐसी पहचान दी, जिसे भारतीय सिनेमा में लंबे समय तक याद किया जाएगा। रॉकी के किरदार में यश की दमदार स्क्रीन प्रेजेंस, स्टाइल और डायलॉग बोलने के अंदाज ने दर्शकों के बीच उन्हें एक अलग पहचान दिलाई।

अनुपम खेर आगे बताया, पर्दे पर बेहद शक्तिशाली और रौबदार नजर आने वाले यश के पीछे मुझे एक गर्मजोशी से भरा, जमीन से जुड़ा और सोचने-समझने वाला इंसान देखने को मिला। हमारी मुलाकात एक स्टूडियो में हुई, जहां फिल्मों के अलावा जिंदगी से जुड़े कई विषयों पर बातचीत हुई।

अनुपम खेर ने कहा, हमने माता-पिता, परिवार, सपनों और जिंदगी के उन अनुभवों के बारे में बात की, जो किसी इंसान को धीरे-धीरे आकार देते हैं। इस मुलाकात ने मुझे यह महसूस कराया कि अलग-अलग पीढ़ियों से आने के बावजूद कलाकारों के सपने और जुनून एक जैसे हो सकते हैं।

उन्होंने कहा, जब भी मेरी मुलाकात ऐसे युवा कलाकारों से होती है, जो कुछ अलग और असाधारण करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं, तो मुझे खुद भी नई ऊर्जा मिलती है। ऐसे कलाकारों का जुनून मुझे और मेहनत करने, चीजों को और गहराई से देखने और अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित करता है।

अनुपम खेर ने यश की आने वाली फिल्म 'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' के लिए भी उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह फिल्म अपनी अलग पहचान बनाएगी और दर्शकों से भरपूर प्यार हासिल करेगी।

'टॉक्सिक' का निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया है। फिल्म में यश के साथ कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी। फिल्म में यश दोहरी भूमिका में दिखाई देंगे। यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है और 26 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

करीना कपूर ने प्रेग्नेंसी की अफवाहों पर दिया रिएक्शन, बोलीं गलत समझा गया

करीना कपूर हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी तीसरी प्रेग्नेंसी को लेकर चल रही अटकलों के कारण सुर्खियों में हैं। बेबो ने शनिवार को इंस्टाग्राम हैंडल पर प्रेग्नेंसी की इन अफवाहों पर प्रतिक्रिया साझा की, जिसे पढ़कर आप हंसते-हंसते लोटपोट हो जाएंगे। करीना ने स्टोरीज सेक्शन में एक मजेदार इंस्टाग्राम पोस्ट को दोबारा शेयर किया, जिसमें एक आदमी अपने फूले हुए पेट के साथ पोज देता नजर आ रहा है। पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, 'हट ना बे'।

करीना ने अपने अकाउंट पर पोस्ट शेयर करते हुए हंसने वाले और पिज्जा वाले इमोजी भी जोड़े। उन्होंने फिल्म 'हम आपके हैं कौन' का गाना 'चॉकलेट लाइम जूस' भी जोड़ा, जिससे यह संकेत मिलता है कि उनका निकला हुआ पेट खाने के प्रति उनके प्रेम का ही परिणाम है। करीना से पहले उनकी ननद और सैफ की बहन सबा पटौदी ने अभिनेत्री की प्रेग्नेंसी की अफवाहों को खारिज करते हुए दावा किया था कि विवादित तस्वीर, जिसमें बेबो को फूले हुए पेट के साथ देखा जा सकता है, एक खराब कैमरा एंगल का परिणाम थी।

बता दें कि न्यूयॉर्क में छुट्टियां मनाते समय करीना कपूर के पति सैफ अली खान के साथ उनके तीसरे बच्चे की उम्मीद की अटकलें भी सामने आई थीं। उस समय करीना कपूर की एक इंस्टाग्राम स्टोरी को गलत समझा गया था।

हालांकि, 'के3जी' अभिनेत्री ने बाद में इस बात को स्पष्ट करते हुए कहा था कि यह सब बस पिज्जा और वाइन का खेल था। वहीं, अगर उनके वर्क फ्रंट की बात करें तो करीना अगली बार मेघना गुलजार की फिल्म 'दायरा' में नजर आएंगी, जिसमें वह पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ दिखाई देंगी।

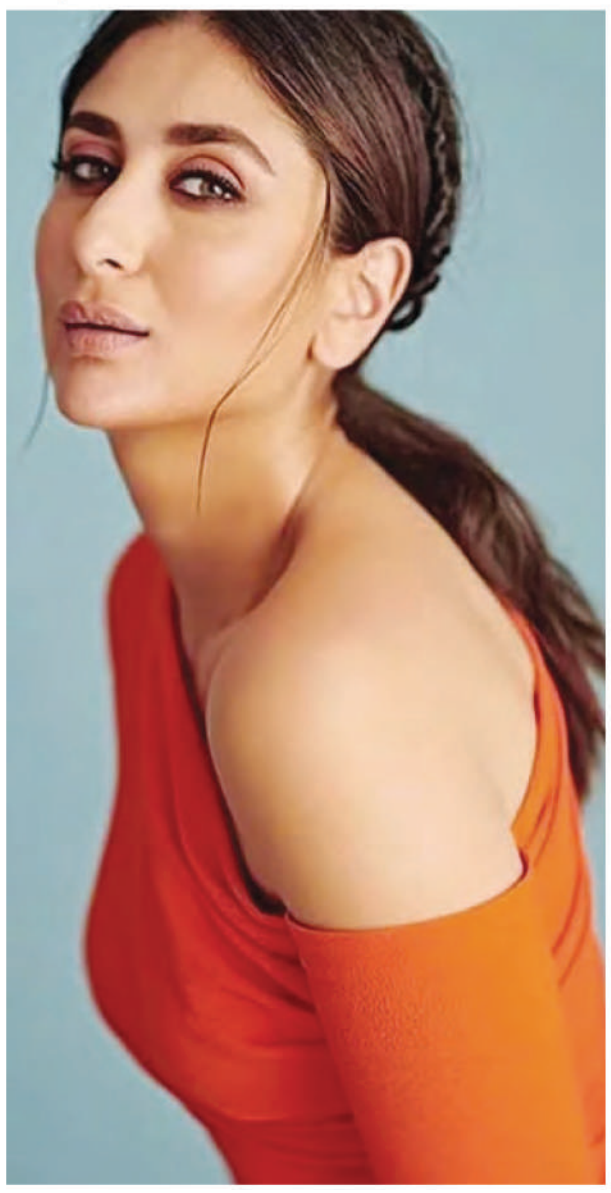

गुजराती फिल्म के लिए अकांक्षा पुरी ने सीखी गुजराती

बोलीं- 'सिर्फ डायलॉग बोलना नहीं, उसकी संस्कृति समझना भी जरूरी'

अभिनेत्री अकांक्षा पुरी जल्द ही गुजराती फिल्म में खास भूमिका निभाती हुई नजर आने वाली हैं। इस भूमिका के लिए उन्होंने गुजराती भाषा सीखने के साथ-साथ वहां की संस्कृति और बोलने के अंदाज को समझने की कोशिश की है। आकांक्षा का कहना है कि जब कोई कलाकार किसी नई भाषा और संस्कृति का हिस्सा बनता है, तो उसे उस माहौल को सही तरीके से समझना चाहिए, तभी पर्दे पर उसका काम स्वाभाविक लगेगा। आईएएनएस से बातचीत में अकांक्षा ने बताया कि वह अपनी खास भूमिका में गुजराती रंग को सही तरीके से दिखाना चाहती थीं। इसलिए उन्होंने खुद भाषा और वहां के बोलने के तरीके को समझने की कोशिश की।

अकांक्षा ने कहा, मैं गुजराती रंग को सही तरीके से दिखाना चाहती थी और सिर्फ वही नहीं करना चाहती थी, जो मुझे बताया गया था। मुझे लगता है कि जब आप किसी नई भाषा और संस्कृति में कदम रखते हैं तो उसे ठीक से समझने की कोशिश करनी चाहिए।

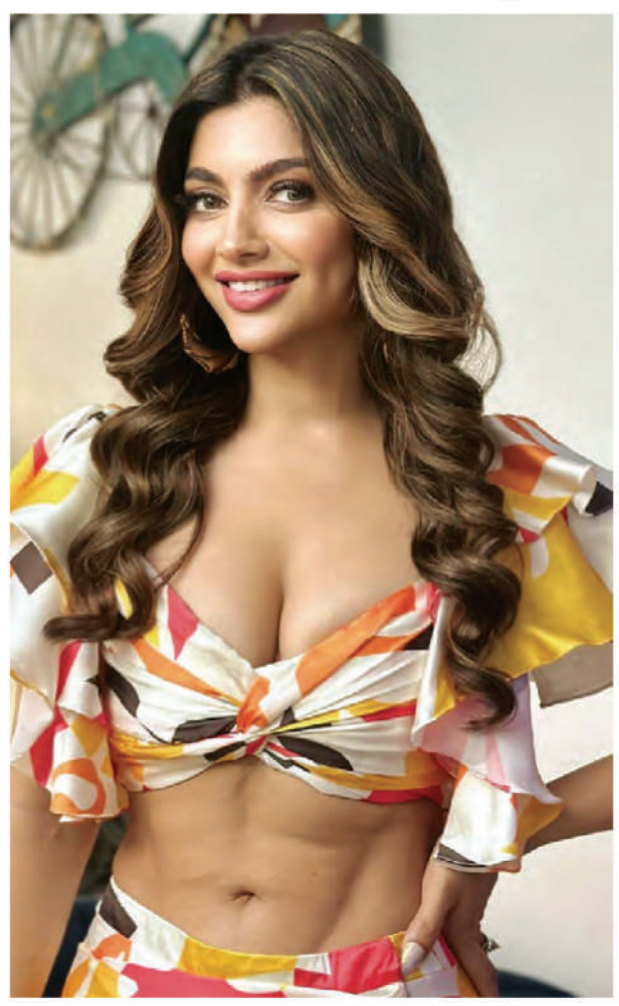

अभिनेत्री ने कहा, मैंने भूमिका की तैयारी के दौरान गुजराती भाषा के उच्चारण और बोलने के अंदाज पर खास ध्यान दिया। मैंने शब्दों को सही तरीके से बोलने के साथ-साथ चेहरे के एक्सप्रेशन और बोलने के तरीके को भी समझने की कोशिश की। सच कहूं तो यह पूरा अनुभव काफी मजेदार रहा। मैं चाहती थी कि पर्दे पर मेरा रूप और मेरा किरदार वहां के माहौल का स्वाभाविक हिस्सा लगे। आगामी गुजराती फिल्म में अकांक्षा की खास मौजूदगी को लेकर फिलहाल ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। फिल्म में उनका किरदार क्या होगा और कहानी में उनकी भूमिका कितनी बड़ी होगी, इसे फिलहाल सीक्रेट रखा गया है।

हाल ही में अकांक्षा पुरी अभिनेता रणदीप हुड्डा के साथ फिल्म 'इंस्पेक्टर अविनाश 2' में नजर आई थीं। इसमें उन्होंने पंजाबी लड़की का किरदार निभाया था, जो एक डांसर से मुखबिर बन जाती है। यह भूमिका भी उनके लिए काफी अलग थी। अकांक्षा ने इस किरदार को कुछ नया करने का मौका बताया था।

Printed and Published by **GANTYADA APPARAO** on behalf of **GANTYADA APPARAO**, Printed at Sri Sai Ganga Printers and Publishers Flat No: 504, Bharat Towers, 5th Lane, Dwaraka Nagar, Visakhaptanam, Andhra Pradesh-530016, and Published at H.NO: 38-4-216, MAHARANI STREET, MARRIPALEM, Visakhapatnam, Andhra Pradesh-530018, **Editor: GANTYADA APPARAO.** Mobile : 9059465965, **RNI : APHIN/26/A3657**, editorpenpower@gmail.com